कोटद्वार, रविवार
1 सितम्बर 2024
वर्षः 46
अंकः 125 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

उत्तरकाशी के जोशियाड़ा पुल से भागीरथी में कूदा युवक

उत्तरकाशी। जिला मुख्यालय उत्तरकाशी से सटे जोशियाड़ा झूला पुल से शनिवार दोपहर को एक युवक भागीरथी में कूद गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की सर्च ऑपरेशन अभियान टीमें मौके पर पहुंची और युवक की तलाश में जुट गई। जिला आपदा कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को दोपहर करीब डेढ़ बजे 25 वर्षीय संदीप उर्फ शमी लाल पुत्र प्रताप लाल निवासी सौरा, भटवाड़ी जोशियाड़ा झूल पुल के ऊपर गया और वहां से भागीरथी नदी में छलांग दी। मौके पर मौजूद लोगों ने इसकी सूचना पुलिस व आपदा कंट्रोल रूम को दी। जिसके बाद रेस्क्यू टीम ने जोशियाड़ा झील में बोट के सहारे सर्च अभियान चलाया। फिलहाल युवक की खोजबीन जारी है। बताया जा रहा है कि नदी में कूदने वाला युवक चुंगी बड़ेथी के समीप मोटर वर्कशॉप में वाहन धुलाई का काम करता था। शनिवार सुबह वह रोजाना की भांति काम पर गया था, लेकिन दोपहर में अचानक उसने खुदकुशी का कदम उठा लिया। युवक बड़ेथी में ही निवास कर रहा था।

पिथौरागढ़ में 19 ग्रामीण सड़कें बंद

पिथौरागढ़। पिथौरागढ़ में शनिवार सुबह से ही दिनभर आसमान साफ रहा और तेज धूप खिली रही। जिला मुख्यालय सहित अन्य हिस्सों में बर्षा नहीं हुई। शनिवार को काली नदी का जलस्तर 888.70 मीटर पहुंच गया। घाट में बहने वाली सरयू नदी का जलस्तर 447.60 मीटर पर स्थिर है। जौलजीबी में गोरी नदी का जलस्तर 604.25 मीटर दर्ज किया गया। बारिश से जिले के कुल 19 ग्रामीण मोटर मार्ग में यातायात सुचारू नहीं हो पाया है। मोटर मार्ग के बंद होने से पीएमजीएसवाई, लोनिवि, सिंचाई विभाग की अस्कोट,धारचूला, डीडीहाट व मुनस्यारी की ग्रामीण आबादी को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। धारचूला में 9 सड़के, डीडीहाट की 5, पिथौरागढ़, अस्कोट, मुनस्यारी की एक–एक सड़क बंद है। जिले का अधिकतम तापमान 29 डिग्री और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

लक्सर, रुड़की होकर कई फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलेंगी

रुड़की। छठ पूजा, गणेश उत्सव, दुर्गा पूजा के त्योहार आने वाले हैं। ये त्योहार पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार व झारखंड के लोग सबसे ज्यादा मनाते हैं। तब पंजाब से लक्सर, रुड़की होकर बिहार, झारखंड जाने वाली गाड़ियों में बहुत रश होता है। ऐसे में रेलवे ने इस रूट पर कुछ फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों की संचालन को मंजूरी दी है। एक ट्रेन 18 सितंबर से 27 नवंबर तक प्रत्येक बुधवार गोरखपुर से दोपहर 2:40 बजे चलेगी, और ब्यास, जालंधर सिटी, ढंडेरी कलां, अंबाला कैंट, यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर, बुधवल, गोंडा, बस्ती, खलीलाबाद होकर गुरुवार सुबह 9:30 बजे अमृतसर पहुंचेगी। अमृतसर से यह ट्रेन 19 सितंबर से 28 नवंबर तक प्रत्येक गुरुवार दोपहर 12:45 बजे चलकर इसी रूट से होते हुए शुक्रवार 8:50 बजे गोरखपुर लौटेगी।

बहस करते–करते बढ़ गई बात, गुस्से में बेटे ने कर दी मां की हत्या

राजकोट ,राजकोट में एक बेटे ने अपनी मां की हत्या कर दी और इसके बाद शव की तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा कर माफी भी मांगी। घटना की जानकारी एक स्थानीय निवासी ने पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी नीलेश गोसाई को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, 48 वर्षीय ज्योतिबेन गोसाईं की गला घोंटकर हत्या की गई। प्रारंभिक जांच में पता चला कि नीलेश ने पहले अपनी मां पर चाकू से हमला करने की कोशिश की थी। जब ज्योतिबेन ने चाकू छीन लिया, तो नीलेश ने कंबल से उसका गला घोंट दिया। हत्याकांड के बाद, नीलेश ने अपनी मां की तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की और लिखा, मुझे माफ कर दो मां, मैंने तुम्हें मार डाला, मुझे तुम्हारी याद आती है, ओम शांति। एक अन्य पोस्ट में उसने लिखा, मैं अपनी मां को मार रहा हूं, अपनी जान गंवा रहा हूं, सॉरी मां, ओम शांति, मिस यू मां।

लालू प्रसाद की राम–श्याम की जोड़ी जुदा

श्याम रजक आज जदयू में होंगे शामिल

पटना , बिहार में कभी लालू प्रसाद यादव के खास रहे राम और श्याम की जोड़ी काफी चर्चित थी। रामकृपाल यादव और श्याम रजक दोनों ही अब आरजेडी से अलग हो चुके हैं। पूर्व मंत्री श्याम रजक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का दामन थामने जा रहे हैं। वो जनता दल यूनाइटेड में शामिल होंगे। जेडीयू के दफ्तर में आज 1 सितंबर को मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में शयाम रजक का पार्टी में स्वागत किया जाएगा। इस दौरान राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, मंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव, मंत्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री रत्नेश सदा और मंत्री सुनील कुमार मौजूद रहेंगे। शयाम रजक के एक्स अकाउंट से यह जानकारी दी गई है। पूर्व मंत्री सह राष्ट्रीय अध्यक्ष एबीडीम श्याम रजक जनता दल (यूनाइटेड) मे अपने साथियों सहित दिनांक 1 सितंबर 2024 को 12 बजे जदयू कार्यालय, वीरचंद पटेल पथ पटना में सदस्यता ग्रहण करेंगे। बता दें कि श्याम रजक ने राष्ट्रीय जनता दल से राष्ट्रीय महासचिव और प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। तभी से इस बात के कयास लगाए जा रहा थे कि वो जेडीयू का दामन थाम सकते हैं। शयाम रजक साल 1995 में चुनाव लड़े और जीते भी थे। राबड़ी देवी की सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। 2010 विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने 2009 में पार्टी से इस्तीफा दे दिया था और जेडीयू में शामिल हो गए थे।नीतीश कुमार ने उन्हें मंत्री बनाया था, लेकिन अगले विधानसभा चुनाव में राजद के साथ जेडीयू का महागठबंधन हुआ और सरकार बनी। तब श्याम रजक को मंत्री पद की जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई। इसके बाद 2022 विधानसभा चुनाव में श्याम रजक जेडीयू का साथ छोडक़र राजद में शामिल हो गए थे।

घूसखोरी में सिडकुल के जेई को पांच साल की सजा

देहरादून। विजिलेंस कोर्ट ने घूसखोरी के 14 साल पुराने मामले में दोषी अवर अभियंता को पांच साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। उसे 25 हजार रुपये जर्माना भी अदा करना होगा। निदेशालय सतर्कता अधिष्ठान की ओर से मिली जानकारी के अनुसार मामला 16 जुलाई 2010 का है। विजिलेंस को शिकायत मिली थी कि फायर स्टेशन सिडकुल हरिद्वार में तैनात अवर अभियंता सुधाकर त्रिपाठी द्वारा ठेकेदार से अनापत्ति प्रमाण पत्र देने की एवज में 25 हजार रुपये रिश्वत मांगी गई थी। सतर्कता अधिष्ठान सेक्टर की ट्रैप टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को 25 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा था। उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। तब से मामला विजिलेंस कोर्ट में विचाराधीन था। अभियोजन अधिकारी धर्मेंद्र आर्य, पैरोकार कानि. गोपाल की ओर से मामले में पैरवी की गई। शनिवार को सुनवाई के दौरान विशेष न्यायालय भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम गढ़वाल परिक्षेत्र मनीष मिया ने आरोपी त्रिपाठी को दोषी करार दिया और सजा सुनाई।

यहां करें शिकायत

विजिलेंस ने अपील की है कि यदि कोई सरकारी विभागों में नियुक्त अधिकारी/कर्मचारी किसी प्रकार का दबाव बनाकर रिश्वत की मांग करता है, तो लोग सतर्कता अधिष्ठान के टोल फ्री हैल्पलाइन नंबर–1064, व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर 9456592300 पर शिकायत कर सकते हैं।

बड़ा हादसा टला : हेलीकॉप्टर लेकर जा रहा था एमआई –17, टूटकर जमीन पर गिरा

रुद्रप्रयाग ,उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में एक बड़ा हादासा टल गया। एमआई–17 हेलीकॉप्टर द्वारा ले जाया जा रहा एक खराब हेलीकॉप्टर आसमान से अचानक जमीन पर गिर गया। मामला केदारनाथ पैदल मार्ग के रामबाड़ा का है। बताया जा रहा है कि केदारनाथ धाम में क्रिस्टल कंपनी का एक हेलीकॉप्टर खराब हो गया था। इसके बाद उसे ले जाने के लिए एमआई–17 हेलीकॉप्टर को बुलाया गया था। जैसे ही एमआई–17 हेलीकॉप्टर ने उड़ान भरी तो थोड़ी दूर पहुंचने के बाद उससे बंधा खराब हेलीकॉप्टर टूटकर आसमान से जमीन पर जा गिरा। गनीमत यह रही कि जिस समय यह खराब हेलीकॉप्टर जमीन पर गिरा। उस दौरान आसपास कोई मौजूद नहीं था। पता चला है कि खराब हेलीकॉप्टर काफी ऊंचाई पर पहुंचने के बाद अपना सुतंलन खो बैठा था। क्रिस्टल कंपनी के हेलीकॉप्टर को केदारनाथ से गौचर हैलीपैड ले जाते वक्त यह हादसा घटित हुआ। फिलहाल इस हादसे मे किसी भी तरह के नुकसान की खबर नही है। इससे पहले मई महीने में केदारनाथ धाम में पायलट की सूझबूझ से बड़ा हादसा होने से बच गया था। केदारनाथ धाम के लिए उड़ान भरने वाले हेलीकॉप्टर की पालयट ने इमरजेंसी लैंडिंग की थी।

हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी होने पर पायलट ने धैर्य का परिचय देते हुए सुरक्षित लैंडिंग कराई। जिससे 6 लोगों की जान बच गई। हेलीकॉप्टर ने सेरसी से केदारनाथ धाम के लिए उड़ान भरी थी। रुद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी एनएस रजवार ने बताया, हेलीकॉप्टर सुबह सेरसी से केदारनाथ की ओर जा रहा था। केदारनाथ हेलीपैड से 100 मीटर पहले तकनीकी खराबी होने का कारण हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी थी। इन दिनों उत्तराखंड में खराब मौसम की वजह से कई इलाकों में प्रशासनिक अमले को पहुंचने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मूसलाधार बारिश से भूस्खलन की कई खबरें पिछले दिनों आई थीं तो वहीं हाल ही में घनसाली के जनख्याली में बादल फटने से दो लोगों की मौत भी हो गई थी।

चारधामः तीर्थदर्शन को यात्रियों में उत्साह

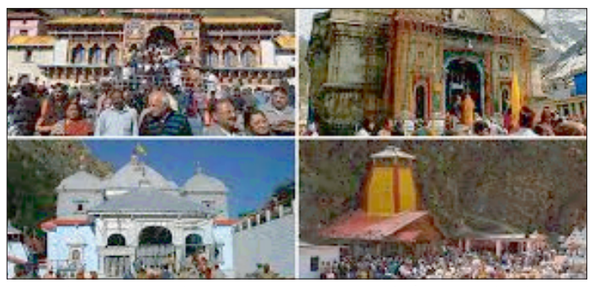

ऋषिकेश। उत्तराखंड में द्वितीय चरण की चारधाम यात्रा प्रारंभ हो चुकी है। तीर्थदर्शन के लिए देश के विभिन्न प्रदेशों से रोजाना 200 यात्री ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए ऋषिकेश पहुंच रहे हैं। संयुक्त रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति की पांच बसें भी प्रतिदिन चारधाम के लिए रवाना हो रही हैं। आने वाले दिनों में लगातार यात्रियों की संख्या में इजाफा होगा। केदारनाथ धाम में पैदल मार्ग पर आवाजाही शुरू होने से चारधाम यात्रा ने जोर पकड़ना शुरू कर दिया है। ऋषिकेश स्थित चारधाम ट्रांजिट एवं पंजीकरण कार्यालय सुबह से लेकर शाम तक प्रतिदिन औसतन 200 यात्री रजिस्ट्रेशन के लिए पहुंच रहे हैं। ट्रांजिट केंद्र में उनका पंजीकरण करने के साथ ही यात्रा मार्गों और मौसम की आवश्यक जानकारी भी दी जा रही है। पंजीकरण में यात्रियों को आपात स्थिति में सहायता के लिए जरूरी टोल फ्री नंबर से भी अवगत कराया जा रहा है। संयुक्त रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति की सप्ताहभर पहले इक्का–दुक्का बसें ही चारधाम के लिए जा रहीं थीं, लेकिन केदारनाथ धाम की यात्रा सुचारु होने के बाद अब हर दिन पांच बसें ऋषिकेश से धामों के लिए रवाना हो रही हैं। चारधाम यात्रा पर निर्भर व्यवसायियों को यात्रा में बढ़ती तीर्थयात्रियों की संख्या को लेकर खुशी है।

हिमंता बिस्वा सरमा ने की चंपई सोरेन से मुलाकात, असम आने का दिया निमंत्रण

रांची ,असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने शनिवार को चंपई सोरेन से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि चंपई सोरेन भाजपा में शामिल हो गए हैं। मैं उन्हें शुभकामना देने के लिए यहां आया हूं। उन्होंने कहा कि इस मुलाकात में हमने कोई राजनीतिक विषय पर चर्चा नही की। दूसरे विषयों पर बातचीत हुई, मैंने चंपई सोरेन को असम आकर मां कामाख्या देवी के दर्शन और मेरे घर पर भोजन का निमंत्रण दिया है। वही चंपई सोरेन ने मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के असम निमंत्रण को स्वीकार किया। मीडिया के सवाल पर उन्होंने कहा कि वो असम जाएंगे। रामदास सोरेन को अब दूसरे टाइगर के रूप में देखा जा रहा है, आप इसे कैसे देखते हैं ? इस सवाल पर चंपई सोरेन ने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि मैं इस पर कोई टिप्पणी नही करना चाहता। मैं जनता के लिए काम करता हूं और आगे भी सेवा करता रहूंगा। गौरतलब कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के साथ साढ़े चार दशकों की राजनीतिक यात्रा को विराम देने के बाद राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। 30 अगस्त को रांची के धुर्वा स्थित शहीद मैदान में आयोजित एक बड़ी जनसभा में केंद्रीय कृषि मंत्री और झारखंड भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान, चुनाव सह प्रभारी एवं असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने उनका पार्टी में स्वागत किया। इस मौके पर चंपई सोरेन ने कहा, हमने झारखंड प्रदेश में लंबी लड़ाई लड़ी और जिस संगठन को खून–पसीने से सींचा, उससे आज निकल आया हूं। मेरा वहां अपमान हुआ।

मुख्यमंत्री ने किया लोनिवि निरीक्षक भवन, सभागार और कक्ष निर्माण कार्य का लोकार्पण

● वरिष्ठजनों के अनुभव से साकार होगी आदर्श जनपद की परिकल्पना

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को गोरलचौड़ मार्ग चंपावत में स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए वरिष्ठजन एवं जनमानस से भेंटवार्ता कर उनसे संवाद किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग के निरीक्षक भवन, चंपावत के प्रथम तल पर सभागार तथा कक्ष/गार्ड रूम निर्माण कार्य का लोकार्पण भी किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने बड़ी संख्या में आए स्थानीय लोगों से मुलाकात कर लोगों की समस्याएं सुनी एवं समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी यह बात सुनिश्चित कर लें कि आमजन को अपनी समस्याओं को लेकर बेवजह भटकना न पड़े। जनता की सेवा ही हम सभी का प्रथम कर्तव्य है। सरलीकरण, समाधान निस्तारण राज्य सरकार का मूल मंत्र है, जिसका आभास जन-जन को होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक संरचना को मजबूत आधार देने के लिए वरिष्ठजनों के अनुभवों का उपयोग किया जाना आवश्यक है। आदर्श जनपद की परिकल्पना भी तभी साकार होगी जब वरिष्ठजनों के अनुभव इसमें साझा होंगे। वरिष्ठजन, अपने जीवन में अनुभवों का खजाना संजोए रखते हैं। जो जीवन के हर पहलू को देख चुके होते हैं, हर परिस्थिति का सामना कर चुके होते हैं। उनके पास समस्याओं का समाधान खोजने की एक अनोखी क्षमता होती है, जो युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा वरिष्ठ जनों के अनुभव इसलिए भी जानने-सुनने जरूरी हैं, ताकि हम अपनी जड़ों से जुड़े रह सकें। यह युवाओं के लिए जरूरत भी है और समाज के लिए बड़ी अहमियत भी। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास कार्य और हर वर्ग और गांव के अंतिम छोर तक योजनाओं का लाभ देना सरकार की प्राथमिकता है। सरकार द्वारा आदर्श उत्तराखंड एवं चंपावत को आदर्श जिला बनाने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।

इस दौरान अध्यक्ष जिला पंचायत ज्योति राय, दर्जा राज्य मंत्री गणेश भंडारी, क्षेत्र प्रमुख चंपावत रेखा देवी, लोहाघाट नेहा ढेक, बाराकोट विनीता फर्त्याल, पाटी सुमनलता भाजपा जिला अध्यक्ष निर्मल माहरा, विधायक प्रतिनिधि प्रकाश तिवारी, दीपक रजवार जिलाधिकारी नवनीत पांडे, पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, मुख्य विकास अधिकारी, संजय कुमार सिंह, एडीएम हेमंत कुमार वर्मा आदि मौजूद थे।

देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई कठोर कानून बने हैं, हमें इसे और सक्रिय करने की जरूरत है–पीएम मोदी

नई दिल्ली ,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में टिकट और सिक्के का अनावरण किया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आज महिलाओं के खिलाफ अत्याचार, बच्चों की सुरक्षा, समाज की गंभीर चिंता है। देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई कठोर कानून बने हैं, लेकिन हमें इसे और सक्रिय करने की जरूरत है। महिला अत्याचार से जुड़े मामलों में जितनी तेजी से फैसले आएंगे, आधी आबादी को सुरक्षा का उतना ही बड़ा भरोसा मिलेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष केवल एक संस्था की यात्रा नहीं है ये यात्रा है भारत के संविधान और संवैधानिक मूल्यों की...इस यात्रा में हमारे संविधान निर्माताओं का और न्यायपालिका के अनको मनीषियों का योगदान बहुत महत्वपूर्ण रहा है...इसमें पीढ़ी दर पीढ़ी उन करोड़ों देशवासियों का भी योगदान है जिन्होंने हर परिस्थिति में न्यायपालिका पर अपना भरोसा अडिग रखा है। भारत के लोगों ने कभी सुप्रीम कोर्ट, हमारी न्यायपालिका पर अविश्वास नहीं किया इसलिए सुप्रीम कोर्ट के ये 75 वर्ष मदर ऑफ डेमोक्रेसी भारत के गौरव को और अधिक बढ़ाते हैं।...देश संविधान की 75 वर्षगांठ मनाने जा रहा है इसलिए इस अवसर में भी गर्व और प्रेरणा भी है।मोदी ने कहा, आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है– विकसित भारत, नया भारत। नया भारत यानी – सोच और संकल्प से एक आधुनिक भारत। हमारी न्यायपालिका इस विजन् का एक मजबूत स्तम्भ है। नरेंद्र मोदी ने कहा, हमारे लोकतंत्र में न्यायपालिका संविधान की संरक्षक मानी गई है ये अपने आप में एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। हम संतोष के साथ कह सकते हैं कि हमारी सुप्रीम कोर्ट, हमारी न्यायपालिका ने इस जिम्मेदारी का बखूबी निर्वाहन प्रयास किया है। आजादी के बाद न्यायपालिका ने न्याय की भावना की रक्षा की...जब–जब देश की सुरक्षा का प्रश्न आया तब न्यायपालिका ने राष्ट्र हित सर्वोपरि रखकर भारत की एकता की रक्षा की। मोदी ने कहा, न्याय में देरी को खत्म करने के लिए बीते एक दशक में कई स्तर पर काम हुए हैं। पिछले 10 वर्षों में देश ने न्यायिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए लगभग 8 हजार करोड़ रुपए खर्च किए हैं। पिछले 25 साल में जितनी राशि न्यायिक बुनियादी ढांचा पर खर्च की गई, उसका 75 प्रतिशत पिछले 10 वर्षों में ही हुआ है।

पतंजलि के दंत मंजन में नॉन वेज मैटीरियल का दावा, कोर्ट ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली ,बाबा रामदेव की मुश्किलें फिर बढने वाली हैं। उनकी कंपनी पतंजलि के उत्पाद दिव्य दंत मंजन में नॉनवेज मैटेरियल होने का दावा किया गया है। इस संबंध में दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए केंद्र सरकार, पतंजलि, बाबा रामदेव, आचार्य बालकृष्ण और अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता एडवोकेट यतिन शर्मा ने आरोप लगाया गया है कि कंपनी अपने दिव्य दंत मंजन में समुद्र फेन (कटलफिश) नाम का मांसाहारी पदार्थ यूज करती है।

एडवोकेट यतीन शर्मा में यह भी बताया गया है कि नॉन वेजिटेरियन पदार्थ के इस्तेमाल के बावजूद उस प्रोडक्ट पर ग्रीन यानी वेजिटेरियन लेबल दिया गया है। इस पर कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद और बाबा रामदेव को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

किसान आंदोलन में पहुंची विनेश फोगाट, सरकार से की ये गुजारिश

नई दिल्ली ,शनिवार को किसान आंदोलन के 200 दिन पूरे होने पर पहलवान विनेश फोगाट ने शंभू बॉर्डर पहुंचकर किसान आंदोलन का समर्थन किया। किसान एमएसपी खरीद गारंटी कानून सहित कई मांगों के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। किसानों ने विनेश फोगाट का सम्मान भी किया। पेरिस ओलंपिक में तय मानक से 100 ग्राम अधिक वजन होने की वजह से विनेश फोगाट को अयोग्य घोषित कर दिया गया था। इससे पहले, विनेश महिलाओं की 50 किग्रा फ्रीस्टाइल प्रतियोगिता में तीन बाउट जीतने के बाद फाइनल इवेंट में पहुंच गई थीं। भारत में आने के बाद विनेश का स्वागत एक गोल्ड मेडलिस्ट की भांति ही किया गया था। अब विनेश किसानों से मिलने के लिए पहुंची हैं। इस मौके पर विनेश फोगाट ने अपनी बात रखते हुए कहा, हम ऐसे देश के वासी हैं जहां कोई भी धरना राजनीतिक रंग नहीं लेता है। हर चीज को जाति या धर्म से जोडऩा सही नहीं है। हमें किसानों की समस्याओं को सुनना चाहिए और उन्हें बैठकर बोलने का हक देना चाहिए। किसान कोई भी नाजायज मांग नहीं कर रहे हैं। विनेश ने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए कहा, मैं ऐसे परिवार से आती हूं जहां लोगों के पास बहुत ज्यादा जमीन नहीं है। मुझे मेरी मां ने पाल–पोसकर बड़ा किया है, यह मैं जानती हूं।

ट्रंप की विवादित फिल्म द अप्रेंटिस अमेरिकी चुनाव से पहले सिनेमाघरों में होगी रिलीज

लॉस एंजेलिस ,अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में अब कुछ महीने बचे हैं और इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति और रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की जीवनी पर आधारित विवादित फिल्म द अप्रेंटिस रिलीज होने के लिए तैयार है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म अमेरिका में नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से कुछ हफ्ते पहले अक्टूबर में अमेरिकी और कनाडाई सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस संवेदनशील फिल्म को ब्रियर क्लिफ एंटरटेनमेंट द्वारा 11 अक्टूबर को चुनाव से पहले रिलीज करने की तैयारी। ब्रियर क्लिफ एंटरटेनमेंट कैलिफोर्निया के सांता मोनिका, में स्थित एक इंडी डिस्ट्रीब्यूटर है। अली अब्बासी द्वारा निर्देशित और वैनिटी फेयर द्वारा लिखित इस फिल्म में एमी अवॉर्ड के लिए नामांकित अभिनेता सेबेस्टियन स्टेन ट्रम्प की भूमिका में हैं।

मई में कान्स फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर हुई द अप्रेंटिस 1970 और 1980 के दशक में न्यूयॉर्क में एक रियल एस्टेट बिजनेसमैन के रूप में ट्रंप के करियर का उल्लेख करती है। लॉस एंजिल्स टाइम्स के अनुसार, फिल्म कान्स प्रतियोगिता में पिछड़ गई और इस पर विवाद खड़ा हो गया था। अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म की रिलीज की घोषणा के बाद, ट्रंप के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने इसे कचरा और काल्पनिक बताया। साथ ही इस फिल्म को रिलीज से रोकने के लिए फिल्म निर्माताओं के खिलाफ मुकदमा दायर करने का भी फैसला किया। कान्स फिल्म फेस्टिवल में फिल्म दिखाई गई थी।

पीएम मोदी ने 3 वंदे भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली , प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को तीन नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इनमें से एक मेरठ को लखनऊ से जबकि दो अन्य दक्षिण भारतीय शहरों मदुरै को बेंगलुरु और चेन्नई को नागरकोइल से जोड़ेंगी। मोदी ने हरी झंडी दिखाने के कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित करते हुए कहा कि 2047 तक भारत को विकसित बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए दक्षिणी राज्यों का तेजी से विकास महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि तमिलनाडु और कर्नाटक के लिए बजटीय आवंटन में वृद्धि से दक्षिणी राज्यों में रेल परिवहन मजबूत हुआ है।

मेरठ सिटी–लखनऊ वंदे भारत ट्रेन यात्रियों को दोनों शहरों के बीच मौजूदा सबसे तेज ट्रेन की तुलना में लगभग एक घंटे पहले पहुंचाएगी।

रेप और जान से मारने की धमकी के बीच, इमर्जेंसी फिल्म का सर्टिफिकेशन रुका – कंगना रनौत

नई दिल्ली ,फिल्म अभिनेत्री व मंडी लोकसभा से भाजपा सांसद कंगना रनौत इन दिनों अपनी आगामी फिल्म इमरजेंसी को लेकर चर्चा में हैं। उनके फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।कंगना रनौत को भी इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। कंगना फिल्म के प्रचार में लगी हुई हैं और अपनी फिल्म के बारे में बता रही हैं कि दर्शकों को उनकी फिल्म क्यों देखनी चाहिए। हालांकि, कंगना की यह फिल्म रिलीज होने से पहले विवादों में घिर गई है। बतौर कंगना उन्हें लगातार रेप और जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। कंगना के लिए फिल्म बेहद खास है, लेकिन, लगातार मिल रही धमकियों के बीच फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो पाएगी या नहीं, यह सवाल गंभीर हो चला है। क्योंकि, खुद कंगना रनौत ने कहा है कि उनकी फिल्म को सेंसर से सर्टिफिकेट नहीं मिला है। करीब एक मिनट की वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने कहा कि कई तरह की अफवाहें उड़ रही हैं कि हमारी फिल्म को सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट मिल गया है। कंगना ने कहा, हमारी फिल्म क्लियर हो गई थी, लेकिन, उसका सर्टिफिकेशन रोक लिया गया है। क्योंकि, बहुत ज्यादा धमकी मिल रही हैं, सेंसर बोर्ड वाले को भी धमकी मिल रही है। हम पर यह दबाव है कि हम इंदिरा गांधी की मौत न दिखाएं, जरनैल सिंह भिंडरावाले को न दिखाएं, पंजाब दंगे के सीन ना दिखाएं, फिर दिखाएं क्या। मुझे माफ करें, मेरे लिए यह समय और पैदा हुए इस हालात पर विश्वास कर पाना कठिन हो गया है। इस देश के एक स्टेट में यह सब हो रहा है। बता दें कि कंगना ने इस वीडियो से पहले एक्स पर पोस्ट लिखा, ये महलों, ये तख्तों ये ताजों की दुनिया, ये इंसान के दुश्मन समाजों की दुनिया, ये दौलत के भूखे रिवाजों की दुनिया, हर एक जिस्म घायल, हर एक रूह प्यासी, निगाहों में उलझे दिलों में उदासी, ये दुनिया है या आलम–ए–बदहवासी, जवान जिस्म सजते हैं बाज़ार बनके, यहां प्यार होता है व्यापार बनके, वफ़ा कुछ नहीं प्यार कुछ नहीं, यहां इंसान की चौकड़ी वह कुछ नहीं।

विश्वविद्यालय अपने संसाधन खुद जुटाएं

जब हर चीज और हर सेवा को कारोबार मान लिया गया है, तो विश्वविद्यालय प्रशासनों का यह सोचना बेज़ा नहीं है कि संपत्तियों का अधिक से अधिक मौद्रिक मूल्य प्राप्त किया जाए। उन संपत्तियां को भी जो मुफ्त में विश्वविद्यालयों को दी गई थीं। अमेरिका में मशहूर विश्वविद्यालयों द्वारा अपनी जमीन या अन्य संपत्तियों को बेचने की खबरें कई वर्षों से चर्चित हैं। आज की कारोबारी भाषा में इन्हें संपत्ति को मोनेटाइज करना कहा जाता है। नव–उदारवादी दौर में जब हर चीज और हर सेवा को कारोबार मान लिया गया है, तो विश्वविद्यालय प्रशासनों का यह सोचना बेज़ा नहीं है कि संपत्तियों का अधिक से अधिक मौद्रिक मूल्य प्राप्त किया जाए। यह दीगर बात है कि कभी जब शिक्षा को सामाजिक जरूरत माना जाता था, तब सार्वजनिक स्वामित्व वाली संपत्तियां मुफ्त में या बेहद रियायती दरों पर विश्वविद्यालय को दी गई थीं। बहरहाल, अब यह ट्रेंड भारत पहुंच गया है। दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) अपनी दो संपत्तियों को बेचने की तैयारी में है। तर्क है कि विश्वविद्यालय गंभीर वित्तीय संकट में है। इसलिए विश्वविद्यालय ने अपनी दो संपत्तियों– गोमती गेस्ट हाउस और 35, फिरोज शाह रोड को बेचने की योजना बनाई है। इसके अलावा शिक्षा मंत्रालय को पत्र लिख कर जेएनयू ने अपनी संपत्तियों पर चल रहे 12 राष्ट्रीय संस्थानों का किराया मांगने का इरादा भी जताया है।

शिक्षक संगठनों ने उचित ही इस कथित वित्तीय संकट के लिए सरकारी नीति को जिम्मेदार ठहराया है। उनके मुताबिक जब मुद्रास्फीति के अनुपात में सरकार उच्च शिक्षा का बजट नहीं बढ़ा रही है, तो ऐसी स्थिति आनी ही है। गौरतलब है कि केंद्र पहले ही शोध अनुदान, लाइब्रेरी फंड आदि में कटौती कर चुका है। सवाल है कि इस नीति का क्या परिणाम होगा? जाहिर है, धीरे–धीरे यह सोच लागू कर दी जाएगी कि विश्वविद्यालय अपने संसाधन खुद जुटाएं। नतीजतन शिक्षा इतनी महंगी हो जाएगी कि वह आम परिवारों की पहुंच से बाहर हो जाएगी। मेडिकल, इंजीनियरिंग और अन्य तकनीकी शिक्षा के मामले में ऐसा पहले ही हो चुका है। अब सामान्य शिक्षा को भी सुविधा–संपन्न तबकों का विशेषाधिकार बनाया जा रहा है। इसका एक परिणाम यह भी होगा कि देश सामान्य परिवारों से आने वाली प्रतिभाओं की सेवा से वंचित हो जाएगा। इस सिलसिले में यह तथ्य सबको याद रखना चाहिए कि शिक्षा, शोध और विज्ञान में बिना सार्वजनिक बड़े निवेश के कोई समाज आगे नहीं बढ़ा है।

कॉमन सिविल कोड को नया नाम

खबरों के मुताबिक मोदी के एलान के बाद टीडीपी नेता एन चंद्रबाबू नायडू से मुस्लिम नेताओं का एक दल मिला। नायडू ने उन्हें आश्वासन दिया कि जब तक वे केंद्रीय सत्ता में भागीदार हैं, 'सेकुलर' कोड जैसी कोई पहल नहीं होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कॉमन सिविल कोड को नया नाम दिया। उसे सेकुलर कोड कहा। स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से उन्होंने पर्सनल लॉ (जिसे उन्होंने कम्यूनल कोड कहा) कि जगह सेकुलर कोड लागू करने का इरादा जताया। यह बात उन्होंने लोकसभा चुनाव के पहले भी कही थी। तब लेकिन तब बात अलग थी। तब लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी का अपना बहुमत था और अभी भाजपा का "चार सौ पार" का उत्साह आसमान में था। आम चुनाव में भाजपा के पर कुतर गए। लेकिन उससे मोदी पर कोई फर्क नहीं पड़ा। पिछले ढाई महीने से उनका सारा प्रयास यही संदेश देने का है कि कुछ भी नहीं बदला है। संभवतः इसीलिए लाल किले से उन्होंने इस विभाजक मुद्दे को अपने भाषण का थीम बनाया। परंतु अब उनके सामने बदली हुई हकीकत है। मोदी के एलान के बाद सत्ताधारी एनडीए के घटक दल तेलुगू देशम पार्टी के नेता एन चंद्रबाबू नायडू से मुस्लिम नेताओं का एक दल मिला। नायडू ने उन्हें आश्वासन दिया कि जब तक वे केंद्रीय सत्ता में भागीदार हैं, 'सेकुलर' कोड जैसी कोई पहल नहीं होगी। जनता दल (यू) में भी अशांति दिखी। नतीजतन, 16 अगस्त को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर एनडीए की बैठक बुलानी पड़ी। इसमें यह फैसला भी हुआ कि हर महीने एनडीए की समन्वय समिति की बैठक होगी और नीतिगत फैसले उसमें ही लिए जाएंगे। फिलहाल, इसका अर्थ यह है कि मोदी ने जो एलान किया, उसके प्रचार से भाजपा को जो सियासी फायदा मिलना हो मिले, लेकिन उससे संबंधित विधेयक को पारित कराना आसान नहीं होगा। इससे यह संकेत ग्रहण किया जा सकता है कि भाजपा की अब वह हैसियत नहीं है कि पिछली लोकसभा की तरह बिना अन्य किसी मत का ख्याल किए विवादास्पद विधेयकों को आगे बढ़ा दे। इसके लिए उसे– कम से कम अपने गठबंधन के भीतर न्यूनतम सहमति बनानी होगी। टीडीपी और जेडी–यू वक्फ़ बोर्ड विधेयक तक चुप रहे, लेकिन अब उन्हें अपनी सियासत के लिए जोखिम पैदा होता दिखने लगा है। अब देखना होगा कि मोदी–शाह का नेतृत्व इस स्थिति को भी मैनेज कर लेने में कामयाब होता है?

पुराना तरीका अब नहीं चल पा रहा

बतौर प्रधानमंत्री तीसरे कार्यकाल में यह धारणा टूट गई है कि नरेंद्र मोदी दृढ़ संकल्प वाले नेता हैं और वे किसी फैसले को वापस नहीं लेते हैं। इस कार्यकाल में सामने यह आया है कि सरकार चलती रहे, इस तकाजे के कारण वे किसी अन्य नेता की तरह ही व्यवहार करते हैं। इसका ताजा उदाहरण उच्च नौकरशाही में लेटरल एंट्री से संबंधित विज्ञापन को वापस लेने का प्रकरण है। इसके पहले वक्फ़ बोर्ड विधेयक, पूंजीगत लाभ टैक्स में बढ़ोतरी, और कथित सेकुलर कानून लाने का इरादा जताने के बाद एनडीए समन्वय समिति की बैठक बुलाने की तत्परता से ये रुझान जाहिर हुआ है। पिछले चार जून को आए चुनाव नतीजों के बाद भाजपा नेतृत्व ने अपनी ताकत निरंतरता की धारणा बनाने में झोंकी। मगर सिर्फ ढाई महीनों में जाहिर हो गया है कि नए बने संसदीय समीकरण के बीच फैसलों को स्ट्रीमरोल करने का पुराना तरीका अब नहीं चल पा रहा है। लोकतांत्रिक नजरिए से इसे सकारात्मक घटनाक्रम कहा जाएगा। बहरहाल, यह लेटरल एंट्री के मुद्दे पर सरकार को सियासी झटका भले लगा हो, लेकिन इससे इस नीति में कोई बदलाव नहीं होने जा रहा है। दरअसल, इसके जरिए 45 पदों की भर्ती के लिए निकले विज्ञापन का विरोध करने वाले विपक्षी दलों को नीतिगत रूप से भर्ती के इस तरीके पर कोई एतराज रहा भी नहीं है। "कुशलता" और "प्रतिभा" से संबंधित तर्कों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में कोई मतभेद नहीं है। जबकि इन्हीं तर्कों से नीति निर्माण की सारी प्रक्रिया कॉरपोरेट सेक्टर के हाथ में दे दी गई है। गौरतलब है कि विपक्ष ने जारी विज्ञापन में आरक्षण ना होने का भावनात्मक मुद्दा उछाला। भारत में गुजरे तीन दशकों सारी सियासी बहस और गोलबंदी जातीय या सांप्रदायिक मुद्दों के इर्द–गिर्द सिमटी हुई है। इन दोनों तरह के मुद्दों पर राजनीतिक ध्रुवीकरण होने की संभावना लगातार बनी रहती है।

देर से न्याय मिलना न मिलने के समान

कोलकाता की डॉक्टर के बलात्कार और नृशंस हत्या को लेकर सारे देश में निर्भया कांड की तरह भारी बवाल मच रहा है। वहीं 1992 में अजमेर में बलात्कार कांड का फ़ैसला भी पिछले हफ़्ते आया। इस फ़ैसले में 6 आरोपियों को उम्र क़ैद की सज़ा सुनाई गई। जबकि 5 आरोपी पहले ही सज़ा काट चुके हैं और एक आरोपी ने आत्महत्या कर ली थी। अजमेर के एक प्रतिष्ठित महिला कॉलेज की 100 से अधिक छात्राओं को ब्लैकमेल करके उनसे बलात्कार किए गए। जिनकी अश्लील फ़ोटो शहर भर में फैल गई। इस कांड का मास्टर माइंड ज़िला यूथ कांग्रेस का अध्यक्ष फ़ारूक़ चिश्ती था, जिसके साथ यूथ कांग्रेस का उपाध्यक्ष नफ़ीस चिश्ती और संयुक्त सचिव अनवर चिश्ती शामिल थे। इनके अलावा फ़ोटो लैब डेवलपर, पुरुषोत्तम, इक़बाल भाटी, कैलाश सोनी, सलीम चिश्ती, सोहेल गनी, ज़मीर हुसैन, अल्मास महाराज (फ़रार), इशरत अली, परवेज़ अंसारी, मोइज़ुल्ला, नसीम व फ़ोटो कलर लैब का मलिक महेश डोलानी भी शामिल थे। प्रदेश भर में भारी आंदोलन और देश भर में तहलका मचाने वाले इस कांड की जाँच राजस्थान के तत्कालीन मुख्य मंत्री भैरों सिंह शेखावत ने खुफ़िया विभाग को सौंपी। ये पूरा मामला अजमेर से प्रकाशित 'नवज्योति' अख़बार के युवा पत्रकार, संतोष गुप्ता की हिम्मत से बाहर आया। चौंकाने वाली बात यह थी कि इस जघन्य कांड में शामिल ज़्यादातर अपराधी ख़्वाजा ग़रीब नवाज़ की मज़ार के ख़ादिम (सेवादार) थे।

विनीत नारायण

अजमेर के मामले में 32 साल बाद आए फ़ैसले पर भी हमारी यही प्रतिक्रिया है कि ऐसे फ़ैसलों से समाज में कोई बदलाव नहीं आएगा। क्योंकि 'जस्टिस डिलेड इज़ जस्टिस डिनाईड' अर्थात् देर से न्याय मिलना न मिलने के समान होता है। इसलिए बात फिर वहीं अटक जाती है। महिलाओं के प्रति पुरुषों की इस पाशविक मानसिकता का क्या इलाज है? ये समस्या आज की नहीं, सदियों पुरानी है।

जहां कोलकाता की डॉक्टर के बलात्कार और नृशंस हत्या को लेकर सारे देश में निर्भया कांड की तरह भारी बवाल मच रहा है। वहीं 1992 में अजमेर में बलात्कार कांड का फ़ैसला भी पिछले हफ़्ते आया। इस फ़ैसले में 6 आरोपियों को उम्र क़ैद की सज़ा सुनाई गई। जबकि 5 आरोपी पहले ही सज़ा काट चुके हैं और एक आरोपी ने आत्महत्या कर ली थी। अजमेर के एक प्रतिष्ठित महिला कॉलेज की 100 से अधिक छात्राओं को ब्लैकमेल करके उनसे बलात्कार किए गए। जिनकी अश्लील फ़ोटो शहर भर में फैल गई। इस कांड का मास्टर माइंड ज़िला यूथ कांग्रेस का अध्यक्ष फ़ारूक़ चिश्ती था, जिसके साथ यूथ कांग्रेस का उपाध्यक्ष नफ़ीस चिश्ती और संयुक्त सचिव अनवर चिश्ती शामिल थे। इनके अलावा फ़ोटो लैब डेवलपर, पुरुषोत्तम, इक़बाल भाटी, कैलाश सोनी, सलीम चिश्ती, सोहेल गनी, ज़मीर हुसैन, अल्मास महाराज (फ़रार), इशरत अली, परवेज़ अंसारी, मोइज़ुल्ला, नसीम व फ़ोटो कलर लैब का मलिक महेश डोलानी भी शामिल थे। प्रदेश भर में भारी आंदोलन और देश भर में तहलका मचाने वाले इस कांड की जाँच राजस्थान के तत्कालीन मुख्य मंत्री भैरों सिंह शेखावत ने खुफ़िया विभाग को सौंपी। ये पूरा मामला अजमेर से प्रकाशित 'नवज्योति' अख़बार के युवा पत्रकार, संतोष गुप्ता की हिम्मत से बाहर आया। चौंकाने वाली बात यह थी कि इस जघन्य कांड में शामिल ज़्यादातर अपराधी ख़्वाजा ग़रीब नवाज़ की मज़ार के ख़ादिम (सेवादार) थे। इनकी हवस का शिकार हुई लड़कियाँ प्रतिष्ठित हिंदू परिवारों से थीं। जिनमें से 6 ने बदनामी के डर से आत्महत्या कर ली। दर्जनों अपनी पहचान छुपा कर जी रही हैं। क्योंकि जो जख़्म इन्हें युवा अवस्था में मिला उसका दर्द ये आजतक भूल नहीं पाईं हैं। चूँकि इस कांड में शामिल ज़्यादातर अपराधी मुसलमान हैं और शिकार हुई लड़कियाँ हिंदू, इसलिए इसे मज़हबी अपराध का जामा पहनाया जा सकता है और वो ठीक भी है। पर हमारे देश में हर 16 मिनट में एक बलात्कार होता है। इन सब बलात्कारों में शामिल अपराधी बहुसंख्यक हिंदू समाज से होते हैं इतना ही नहीं, साधु, पादरी और मौलवी के वेश में, धर्म की आड़ में, अपने शिष्यों या शागिर्दों की बहू–बेटियों से दुष्कर्म करने वालों की संख्या भी ख़ासी बड़ी है। इसे राजनैतिक जामा भी पहनाया जा सकता है क्योंकि इस जघन्य कांड के मास्टर माइंड यूथ कांग्रेस के पदाधिकारी थे। पर क्या ये सही नहीं है कि देश भर में भाजपा व अन्य दलों के भी तमाम नेताओं और कार्यकर्ताओं के नाम लगातार बलात्कार जैसे कांडों में सामने आते रहते हैं। इसलिए महिलाओं के प्रति इस पाशविक मानसिकता को धर्म और राजनीति के चश्मे से हट कर देखने की ज़रूरत है।

दुर्भाग्य से जब कभी ऐसी कोई घटना सामने आती है तो हर राजनैतिक दल उसका पूरा लाभ लेने की कोशिश करता है। ताकि जिस दल की सरकार के कार्यकाल में ऐसा हादसा हुआ हो उसे या जिस दल के नेता या उसके परिवार जन ने ऐसा कांड किया हो तो उन्हें घेरा जा सके। जब हमारे देश में हर 16 मिनट पर एक बलात्कार होता है और बच्चियों के साथ भी होता है, उनकी नृशंस हत्या भी होती है, तो क्या वजह है कि बलात्कार की एक घटना पर तो मीडिया और राजनीति में इतना बवाल मचता है और दूसरे हज़ारों इससे बड़े मामलों की बड़ी आसानी से अनदेखी कर दी जाती है, मीडिया द्वारा भी और समाज व राजनेताओं द्वारा भी। तब ये ज़रूरी होता है जब कभी बलात्कार के किसी कांड पर बवंडर मचे तो उसे इस नज़रिए से भी देखना चाहिए। ये बवंडर समस्या के हल के लिए हो रहा है या अपनी राजनैतिक रोटियाँ सेंकने के लिए।

अब प्रश्न है कि ऐसे अपराधी को क्या सजा दे जाए? अपराध शास्त्र के विशेषज्ञ ये सिद्ध कर चुके हैं कि किसी अपराधी को मृत्यु दंड जैसी सज़ा सुनाने के बाद भी उसका दूसरों पर कोई असर नहीं पड़ता और इस तरह के अपराध फिर भी लगातार होते रहते हैं। पर दूसरी तरफ़ पश्चिमी एशिया के देशों में शरीयत क़ानूनों को लागू किया जाता है जिसमें चोरी करने वाले के हाथ काट दिए जाते हैं और बलात्कार करने वाले की गर्दन काट दी जाती है। पिछले ही हफ़्ते सोशल मीडिया पर दिल दहलाने वाला एक वीडियो प्रचारित हुआ, जिसमें दिखाया है कि कैसे 6 पाकिस्तानी युवाओं को 16 साल की लड़की से सामूहिक बलात्कार के आरोप में उनकी सरेआम तलवार से गर्दन काट दी गई।हादसे के अगले दिन वहाँ की अदालत ने अपना फ़ैसला सुना दिया। अक्सर इस बात का उदाहरण दिया जाता है कि शरीयत क़ानून में ऐसी सज़ाओं के चलते इन देशों में चोरी और बलात्कार की घटनाएँ नहीं होती। पर ये अर्धसत्य है। क्योंकि अक्सर ऐसी सज़ा पाने वाले अपराधी तो आम लोग होते हैं जो दुनिया के ग़रीब देशों से खाड़ी के देशों में रोजग़ार के लिए आते हैं। जबकि ये तथ्य अब दुनिया से छिपा नहीं है कि खाड़ी के देशों के रईसज़ादे और शेख़ विदेशों से निकाह के नाम पर फुसला कर लाई गई सैंकड़ों लड़कियों का अपने हरम में रात–दिन शारीरिक शोषण करते हैं। फिर उन्हें नौकरानी बना देते हैं। इन सब पर शरीयत का क़ानून क्यों नहीं लागू होता?

हमारे भी वेद ग्रंथों में बलात्कारी की सजा सुझाई गयी है। बलात्कारी का लिंग काट दिया जाए। उसके माथे पर एक स्थायी चिह्न बनाकर समाज में छोड़ दिया जाए। जिसे देखते ही कोई भी समझ जाए कि इसने बलात्कार कर किसी की जिंदगी बर्बाद की है। फिर ऐसे व्यक्ति से न कोई रिश्ता रखेगा, न दोस्ती। उसका परिवार भी उसे रखना पसंद नहीं करेगा। कोई नौकरी नहीं मिलेगी। कोई धंधा नहीं कर पायेगा। भीख भी नहीं मिलेगी। कोई डॉन भी हुआ, तो उसकी गैंग उसे छोड़ देगा। क्योंकि कोई गैंग नहीं चाहेगा कि उनकी गैंग किन्नरों की गैंग कहलाये। ऐसे में बलात्कारी या तो खुद ही आत्महत्या कर लेगा या अछूत बनकर जिल्लत भरी जिंदगी जियेगा। उसका यह हाल देख समाज में किसी और की यह अपराध करने की हिम्मत ही नहीं होगी। मगर जेल भेजने या फाँसी देने से अपराध नहीं रुकेगा।

अजमेर के मामले में 32 साल बाद आए फ़ैसले पर भी हमारी यही प्रतिक्रिया है कि ऐसे फ़ैसलों से समाज में कोई बदलाव नहीं आएगा। क्योंकि 'जस्टिस डिलेड इज़ जस्टिस डिनाईड' अर्थात् देर से न्याय मिलना न मिलने के समान होता है। इसलिए बात फिर वहीं अटक जाती है। महिलाओं के प्रति पुरुषों की इस पाशविक मानसिकता का क्या इलाज है? ये समस्या आज की नहीं, सदियों पुरानी है। हर समाज, हर धर्म और हर देश में महिलाएँ पुरुषों के यौन अत्याचारों का शिकार होती आयी हैं। बहुत कम को न्याय मिल पाता है, इसलिए 32 साल बाद अजमेर बलात्कार कांड का फ़ैसला कोई मायने नहीं रखता।

भाजपा का लखपति दीदी प्रोगाम

अजय दीक्षित

विपक्ष की जातिगत जनगणना के उत्तर में प्रधानमंत्री मोदी देश में चार जातियां मानते हैं । उन्होंने अंग्रेजी के ज्ञान से चार जातियां बतलाईं हैं । त्र गरीब से गरीब, ड्ढ से युवा, ्र से कृषिक और ह्र से नारी । मोदी जी का फोकस इन चारों पर हैं ।

आजकल बीजेपी के मुख्यमंत्री मोदी जी के नारी सशक्तिकरण का राष्ट्रव्यापी अभियान चला रहे हैं । मध्य प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में कई सशक्तिकरण कार्यक्रम चला रक्खे हैं । आज मध्य प्रदेश में नारी कल्याण को लेकर कई योजनाएं संचालित हैं । तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के जमाने से प्रत्येक महिला को हर महीने 1250 रुपये मिलते हैं । इस बार रक्षाबंधन के 250 जोडक़र 1500 रुपये हर महिला के खाते में आये हैं ।

अब प्रयत्न है कि राज्यसभा और लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़े । इसके साथ ही स्थानीय निकायों में भी उनके प्रतिनिधित्व को बढ़ाया जा रहा है । अभी असल में स्थानीय निकायों में महिला प्रतिनिधि के स्थान पर उसके ससुर, पिता या पति ही मीटिंगों में भाग लेते हैं । इसे रोका जा रहा है । डॉ. मोहन यादव ने कलेक्टरों को आदेश दिया है कि इस प्रथा पर तत्काल रोक लगाई जाये । महिला प्रतिनिधियों को ट्रेनिंग भी दी जा रही है ।

इस बार अनेक स्थानों में डॉ. मोहन यादव ने जाकर महिलाओं से राखी बंधवाई । महिलाओं के बीच उनके भाई डॉ. मोहन यादव बहुत लोकप्रिय हैं । अब देश में उद्योगों में भी महिलाओं को प्राथमिकता दी जा रही है । रीजनल इण्डस्ट्रियल कान्क्लेव कई जगह आयोजित किये जा रहे हैं । जिसमें महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी । टेक्सटाइल सहित कई तरह के उद्योगों में महिलाओं को प्राथमिकतादी जायेगी । औद्योगिक इकाईयां महिलाओं के नाम से होगी । की भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी । टेक्सटाइल सहित कई तरह के उद्योगों में महिलाओं को प्राथमिकता दी जायेगी । औद्योगिक इकाईयां महिलाओं के नाम से होगी ।

25 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी जी ने महाराष्ट्र और राजस्थान का दौरा किया और वहां महिलाओं को लखपति दीदी का दर्जा दिया । जलगांव में ग्यारह लाख नई लखपति दीदियों को सम्मानित किया । यह मुकाम उन्होंने अपने तीसरे कार्यकाल में प्रदान किया है । मोदी जी ने 2500 करोड़ का एक कोष बनाया है जिसमें करीब 48 लाख सदस्यों वाले चार–पांच लाख स्वयं सहायता समूह कार्यरत होंगे ।

प्रधानमंत्री ने महिलाओं को उद्योग लगाने के लिए पांच हजार करोड़ रुपये के बैंक लोन भी वितरित किये । इससे करीब ढाई लाख स्वयं सहायता समूह कार्य करेंगे जिनका नेतृत्व महिलाएं करेंगी । अब तक 'लखपति दीदी' कार्यक्रम से एक करोड़ महिलाएं लाभान्वित हो चुकी हैं । यह उम्मीद है कि हर एक स्वयं सहायता समूह प्रति वर्ष एक लाख का लाभ कमा सकेगा ।

असल में देश में आदि आबादी महिलाओं की है । अभी तक वे केवल चौका चूल्हा में व्यस्त रहती थीं । वहां भी उनके लाभ के लिए मुफ्त गैस सलेण्डर दिये गये ताकि लकड़ी से ख़ाना बनाने से जो धुआं निकलता है, उससे उनके स्वास्थ्य में हानि न हो । महिला खिलाडिय़ों को भी मोदी जी के कार्यकाल में काफी प्रोत्साहन दिया जाता है । विनेश फोगट को हार के बाद भी चार करोड़ रुपये के पुरस्कार दिये गये ।

सरकार की असल नीति क्या है?

सही है विदेशी ई–कॉमर्स कंपनियों ने छोटे कारोबारियों को व्यापार से बाहर करने के लिए चीजें सस्ती दरों पर बेचीं। उस कारण उन्हें घाटा हुआ। सवाल है सरकार की असल नीति क्या है?

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने ई–कॉमर्स कंपनियों पर सीधा निशाना साधा। उन्हें देश के करोड़ों खुदरा कारोबारियों की बढ़ती मुसीबत का कारण बताया। उन्होंने कहाः ई–कॉमर्स की भारत में बेरोक वृद्धि से "बड़े पैमाने पर सामाजिक अस्त–व्यवस्ता" पैदा हो सकती है, जिसका असर दस करोड़ छोटे व्यापारियों पर पड़ेगा। गोयल एक संस्था की रिपोर्ट जारी होने के मौके पर बोल रहे थे। रिपोर्ट 'भारत में रोजगार एवं उपभोक्ता कल्याण पर ई–कॉमर्स का संपूर्ण प्रभाव' शीर्षक से जारी हुई है। गोयल ने अमेजन कंपनी का नाम लेकर उस पर निशाना साधा। उनकी टिप्पणी गौरतलब हैः 'कीमत तय करने का लूटेरा चलन क्या देश के हित में है, जहां अमेजन जब कहती है कि वह अरबों डॉलर का निवेश करेगी, तो हम सब खुशी मनाते हैं। लेकिन हम अंदरूनी कहानी भूल जाते हैं कि ये अरबों डॉलर किसी बड़ी सेवा या भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सहायक किसी बड़े निवेश के रूप में नहीं आ रहे हैं। ये रकम कंपनी अपना घाटा पाटने के लिए ला रही है। लेकिन अरबों डॉलर का घाटा हुआ ही क्यों?' गोयल का तात्पर्य है कि इन कंपनियों को घाटा छोटे कारोबारियों को व्यापार से बाहर करने के लिए चीजें सस्ती दरों पर बेचने के कारण हुआ। उसे पाटने के लिए अरबों डॉलर लाए गए।

यह नहीं कहा जा सकता कि गोयल की बातें बेबुनियाद हैं। मगर सवाल यह उठेगा कि नरेंद्र मोदी सरकार की नीति क्या है? क्या उसकी नीतियों ने हर तरह के विदेशी निवेश को प्रोत्साहित नहीं किया है? और क्या उसका ही यह परिणाम नहीं है कि देश में विदेशी ई–कॉमर्स कंपनियों का पूरा वर्चस्व बन गया है। वैसे क्या यह भी एक सच नहीं है कि केंद्र की ही नीतियों या कार्य–प्रणाली से तंग आकर अनेक कंपनियां बाहर चली गई हैं। इस क्रम में ना तो देसी उद्योग का विकास हुआ है और ना विदेशी निवेश से अपेक्षित उद्देश्य पूरा हुआ है। क्या गोयल की बातें अब ई–कॉमर्स सेक्टर में अनिश्चय का माहौल नहीं बनाएंगी? वैसे खुदरा कारोबार सेक्टर की मुसीबतें बढ़ाने में नोटबंदी और जीएसटी जैसे नीतिगत फैसलों का क्या रोल रहा है, गोयल को यह भी बताना चाहिए।

थलपति विजय की गोट हुई रीसेंसर्ड, नए सीन जुड़ने के बाद 3 घंटे से ज्यादा हो गया फिल्म का रनटाइम

थलपति विजय और निर्देशक वेंकट प्रभु की गोट यानी द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को टीम ने एक बार फिर सेंसर किया है. टीम ने फिल्म में नए सीन्स हैं. वेंकट प्रभु की निर्देशित यह फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

विजय की अपकमिंग फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन से यू/ए सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है. इस सर्टिफिकेशन के बाद मेकर्स ने नए सीन्स के साथ फिल्म को रीसेंसर किया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में कुछ गलत सीन्स जोड़े गए हैं, जो निर्देशक वेंकट प्रभु की फिल्मों में अक्सर देखने को मिलते हैं. गाली–गलौज जैसे अपशब्दों को म्यूट कर दिया गया है. सोशल मीडिया पर सामने आई फिल्म के सेंसर सर्टिफिकेट के अनुसार, द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम से तीन सेकंड की फुटेज हटा दी गई है, जबकि दो सेकंड की फुटेज बदल दी गई है.नए सीन्स के कारण द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम का रनटाइम 3 घंटे से ज्यादा हो गया है. गोट का अंतिम रनटाइम अब तीन घंटे और तीन मिनट है. इससे पहले गोट का रनटाइम 2.45 मिनट था.डायरेक्टर वेंकट प्रभु ने 21 अगस्त को अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम के सर्टिफिकेशन के बारे में जानकारी दी. उन्होंने फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है, द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को यू/ए सर्टिफिकेट मिला है.तमिलनाडु में गोट के लिए एडवांस टिकट बुकिंग 30 अगस्त से शुरू होगी. तमिलनाडु के अलावा थलपति विजय की फिल्म पड़ोसी राज्यों में सुबह के शो सुबह 4 बजे से ही शुरू होंगे. गोट विजय की 68वीं फिल्म है, ऐसे में विजय और वेंकट प्रभु की जोड़ी को लेकर फैंस और दर्शक काफी एक्साइडेट हैं.

बांग्लादेश टेस्ट से पहले हरभजन सिंह ने टीम मैनेजमेंट को लताड़ा

नई दिल्ली। अगले महीने बांग्लादेश टीम भारत का दौरा करेगी। इस दौरान दोनों टीमों के बीच 2 टेस्ट और 3 टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज खेली जाएगी। टेस्ट सीरीज से पहले पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने भारतीय टीम मैनेजमेंट पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि टीम मैनेजमेंट स्पिन–अनुकूल पिचें तैयार करता है। भारत में टेस्ट मैच के दौरान पिचें चर्चा का विषय होती हैं।

बैटर्स को नहीं मिलती बल्लेबाजी

भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि समस्या पिचों में है। कप्तान, कोचों और टीम प्रबंधन पर निशाना साधते हुए हरभजन ने कहा कि तीन दिनों के अंदर टेस्ट मैच जीतने की उनकी योजना लंबे समय में खिलाड़ियों को नुकसान पहुंचा रही है। इससे बल्लेबाजों को पर्याप्त बल्लेबाजी नही मिलती है।

हमने टर्न वाली पिच पर खेलना शुरू कर दिया

स्पोर्ट्स तक से बातचीत में भज्जी ने कहा, "हमने उन पिचों पर खेलना शुरू कर दिया है जिन पर बहुत अधिक टर्न होता है।

शुभमन गिल के आईपीएल साथी ने काउंटी क्रिकेट में जड़ा पहला शतक

नई दिल्ली। साई सुदर्शन ने शुक्रवार को सरे के लिए काउंटी चैंपियनशिप में अपना पहला शतक जड़कर अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति और नए मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए नया सिरदर्द पैदा कर दिया है।नॉटिंघमशायर के खिलाफ नंबर 6 पर बल्लेबाजी करते हुए सुदर्शन ने 178 गेंद पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 105 रन बनाए, जिसकी बदौलत सरे ने पहली पारी में 525 रन बनाए। तमिलनाडु के इस बल्लेबाज ने अपनी पारी में सिर्फ एक छक्का लगाकर तिहरे अंक का आंकड़ा छुआ।

सरे के कप्तान ने खेली कप्तानी पारीसरे के लिए कप्तान रोरी बर्न्स ने 266 गेंद में 161 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे, जबकि रयान पटेल, विल जैक्स और जॉर्डन क्लार्क ने अपने–अपने अर्धशतक जड़े। नॉटिंघमशायर के लिए फरहान अहमद ने सात विकेट चटकाए। साई सुदर्शन का सरे के लिए यह तीसरा मैच था। इससे पहले 2023 में, गुजरात टाइटन्स के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी, जो सरे के कोच थे, ने काउंटी टीम के साथ करार करने में 22 वर्षीय खिलाड़ी की मदद की थी। हालांकि, इस दौरान उन्होंने सिर्फ दो मैच खेले, लेकिन सरे के लिए उन्होंने 73 रनों की पारी खेली।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ किया डेब्यू

उसी साल, उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के एकदिवसीय दौरे में भाग लेने के बाद भारत के लिए अपना पहला अंतरराष्ट्रीय कैप मिला, जहां उन्होंने दो अर्धशतक बनाए। बाद में 2024 में, उन्हें पिछले महीने जिम्बाब्वे दौरे में अपना पहला टी20क कैप सौंपा गया, हालांकि उन्हें बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिला।

सुदर्शन दलीप ट्रॉफी में खेलने के लिए तैयार

साई सुदर्शन अगले सप्ताह दलीप ट्रॉफी में खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सुदर्शन ऋतुराज गायकवाड़ की अगुआई वाली टीम सी का हिस्सा हैं। एक प्रभावशाली प्रदर्शन से सुदर्शन को बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी घरेलू टेस्ट सीरीज में से किसी एक के लिए भारतीय लाइन–अप में जगह मिल सकती है

फिल्म स्वयंभू के लिए घुड़सवारी व तीरंदाजी की ट्रेनिंग ले रहीं अभिनेत्री संयुक्ता मेनन

अभिनेत्री संयुक्ता अपनी आगामी फिल्म स्वयंभू के लिए निखिल सिद्धार्थ के साथ कड़ी मेहनत कर रही हैं। वह फिल्म के लिए घुड़सवारी, तीरंदाजी और पाकौर का प्रशिक्षण ले रही हैं।

हाल ही में, संयुक्ता ने इंस्टाग्राम पर घुड़सवारी सीखने की एक तस्वीर पोस्ट की। उन्होंने लि?खा कि? यह अनुभव उनके लिए कितना आध्यात्मिक है।

उन्होंने लिखा, एक एक?टर के रूप में मैं दैनिक आधार पर अलग–अलग चीजों का अनुभव करने के लिए खुद को भाग्यशाली मानता हूं। अपनी अगली फिल्म, स्वयंभू के लिए, मैं घुड़सवारी सीख रही हूं और मुझ पर विश्वास करें, यह एक आध्यात्मिक यात्रा रही है।

घोड़े के साथ सामंजस्य और तालमेल में रहना, घोड़े की आत्मा में गहराई से देखना और यह सुनिश्चित करना कि हम एक टीम के रूप में एक साथ काम कर रहे हैं, सुंदर और आनंददायक है! मैंने प्रत्येक गिरावट को एक सीढ़ी के रूप में लिया, बाधा के रूप में नहीं।

स्वयंभू एक ऐसे सम्राट की कहानी है, जिसने इतिहास में स्वर्ण युग की स्थापना की। इसका निर्देशन भरत कृष्णमाचारी और आदित्य बहुधानम ने किया है।

संयुक्ता, चरण तेज उप्पलापति द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर फिल्म में भी नजर आएंगी। यह चरण तेज के निर्देशन में पहली फिल्म होगी।

इसमें काजोल, प्रभु देवा, नसीरुद्दीन शाह, संयुक्ता मेनन और जिशु सेनगुप्ता, आदित्य सील, प्रमोद पाठक और छाया कदम हैं। यह फिल्म एक प्रतिशोधी म

एक नजर

आपदा के कार्यों में लगी जेसीबी का आज से नहीं होगा संचालन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : हिमालयन संविदाकार ठेकेदार समिति ने विभिन्न मांगे पूरी नहीं होने पर रविवार से आपदा के कार्यों में लगी जेसीबी का संचालन बंद करने का निर्णय लिया है। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि ठेकेदार 15 दिनों से मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे है, लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिससे ठेकेदारों में आक्रोश व्याप्त है।

शनिवार को समिति ने लोनिवि के मुख्य अभियंता को ज्ञापन दिया। इस दौरान समिति के पूर्व अध्यक्ष कुशाल सिंह नेगी ने कहा कि 10 करोड़ तक के काम प्रदेश के लोगों को ही देने, निविदा में स्थाई व मूल निवास प्रमाण पत्र की अनिवार्यता करने, 5 करोड़ तक के कार्य सिंगल ब्रिड सिस्टम से करने, केंद व राज्य सरकार के बजट के 80 फीसदी तक के निर्माण कार्य प्रदेश के ही ठेकेदारों को देने, बड़े कार्यों को छोटे कार्यों में बदलने का अधिकार खंडीय कार्यालय के अधिशासी अभियंता को देने की मांग की जा रही है, लेकिन 15 दिनों से आंदोलनरत ठेकेदारों की मांगों पर कोई कदम नहीं उठाए जा रहे है। कहा कि समिति ने प्रदेश कार्यकारिणी के आह्वान पर 1 सितंबर से आपदा में लगी जेसीबी का संचालन बंद करने का निर्णय लिया है। इस मौके पर नवीन कोठारी, कमल रावत, संजय रावत, दीपक जुयाल, राजा कंडारी आदि शामिल रहे।

महिलाओं को सशक्त होने की जरूरत

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : खिर्सू ब्लाक के राजकीय इंटर कॉलेज चोपड़ा में भारत में महिला सुरक्षा एवं लैंगिक संवेदनशीलता विषय पर परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर छात्रों को कानूनों की जानकारी दी गई। इस दौरान शिक्षिका आशा रावत ने बताया कि इन सभी तरह की समस्याओं से बचने के लिए महिलाओं को सशक्त होने की जरूरत है। प्रवक्ता जीव विज्ञान पंकज कुमार ने ऐसे कार्यक्रमों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी बताते हुए महिला अधिकारों की जानकारी दी। सामाजिक विज्ञान शिक्षक विनोद कुमार ने कानूनों में कमी को इनका प्रमुख कारण बताया। रसायन विज्ञान प्रवक्ता गीता लिंगवाल ने बताया कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए और अधिक कड़े कानूनों, जागरूकता बढ़ाने की जरूरत पर बल दिया। कार्यक्रम में संयोजक मयंक उनियाल, श्वेता, काजल,संजना, प्रीति, राधिका आदि शामिल रहे।

धरने को सफल बनाने की अपील

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मूल निवास, भू-कानून समन्वय समिति की रविवार को आयोजित होने वाली रैली को नागरिक कल्याण एवं जागरूक विकास समिति ने समर्थन दिया है। समिति के अध्यक्ष रघुवीर सिंह रावत व सचिव गबर सिंह नेगी ने बताया कि समिति की रैली के समर्थन में रविवार को पौड़ी में हेमवती नंदन बहुगुणा मूर्ति स्थल पर धरना दिया जाएगा। कहा कि मूल अधिकारों व धीरे-धीरे गायब होती मूल उत्तराखंडी पहचान बनाए रखने के लिए यह बहुत आवश्यक है। उन्होंने अधिक से अधिक संख्या में आकर धरने को सफल बनाने की अपील की है।

थपलियाल बनें पीटीए अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : राजकीय इंटर कॉलेज पौड़ी में अभिभावक शिक्षक संघ की नवीन कार्यकारिणी का गठन करते हुए कैलाशचंद्र थपलियाल को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। बैठक में नवीन कार्यकारिणी ने स्कूल में बालिकाओं को भी प्रवेश दिए जाने का सुझाव दिया। इस मौके पर प्रधानाचार्य वेदप्रकाश डोभाल, तेलराम ममगांई, मोहनचंद्र, रविंद्र सिंह, भूपेंद्र नेगी, देवेंद्र रावत, सुभांगी भटट, शिक्षा रावत आदि शामिल रहे।

बीडीसी बैठक 13 सितंबर को

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : क्षेत्र पंचायत मंदाकिनी (अगस्त्यमुनि) की आगामी बैठक 13 सितंबर को ब्लाक प्रमुख श्रीमती विजया देवी की अध्यक्षता में आयोजित होगी। बैठक में गत बैठक की कार्यवाही सहित विभिन्न विभागीय कार्यक्रमों पर आवश्यक विचार-विमर्श एवं चर्चा की जाएगी। खंड विकास अधिकारी मंदाकिनी (अगस्त्यमुनि) प्रवीण भट्ट ने उक्त आशय की जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्र पंचायत की बैठक विकास खंड सभागार में प्रातः 11 बजे से आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि उक्त आयोजित बैठक में सभी विभागीय अधिकारियों सहित जनप्रतिनिधि गणों द्वारा भी प्रतिभाग किया जाएगा।

कांग्रेस ने फूंका प्रदेश सरकार का पुतला

प्रदेश में लगातार बिगड़ रही कानून व्यवस्था पर रोष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : प्रदेश में लगातार बिगड़ रही कानून व्यवस्था पर कांग्रेस ने रोष व्यक्त किया है। शनिवार को कांग्रेसियों ने दुगड्डा चौराहे में प्रदेश सरकार का पुतला दहन करते हुए कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने की मांग उठाई। शनिवार को जिलाध्यक्ष विनोद डबराल व दुगड्डा नगर अध्यक्ष नितेश ठाकुर के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने प्रदेश सरकार का पुतला दहन किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान में पहाड़ी राज्य उत्तराखंड हिमालयी राज्यों में महिला अपराधों में प्रथम स्थान पर पहुंच चुका है। बहू-बेटियां कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं। आज उत्तराखंड अंकिता भंडारी हत्याकांड, चंपावत में नाबालिग से बलात्कार, हरिद्वार में सामूहिक दुष्कर्म, देहरादून में महिला से दुष्कर्म सहित कई अन्य महिला अपराधों से कलंकित हुआ है। आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार महिला अपराधों को रोकने के बजाय अपराधियों को संरक्षण दे रही है। जो प्रदेश हित में नहीं है। सदस्यों ने राष्ट्रपति से प्रदेश सरकार को महिला अपराध रोकने के लिए आवश्यक निर्देश देने की अपील की गई है। इस मौके पर दिनेश रावत, दिनेश चौधरी, ओमचंद्र, अनिल कुमार, शिव सिंह रावत, सुनील कुमार, नरेंद्र सिंह नेगी, यशपाल सिंह, सुरेंद्र सिंह, राकेश रावत, बलवीर सिंह रावत, जगदीश सिंह आदि मौजूद रहे।

दुगड्डा में सरकार का पुतला दहन करते कांग्रेसी

गांव में बनी गुलदार की धमक, ग्रामीणों में दहशत

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बीरोंखाल ब्लॉक के पट्टी खाटली क्षेत्र में तीन गुलदार दिखाई देने से ग्रामीणों में दशहत बनी हुई है। स्थिति यह है कि ग्रामीण अकेले आवाजाही करने से डर रहे हैं और बच्चों को स्कूल भेजने से भी कतरा रहे हैं। ग्रामीणों ने क्षेत्र में वनकर्मियों की गश्त बढ़ाने और गुलदारों को पकड़ने की मांग की है।ग्रामीणों का कहना है कि कई दिन से दो गुलदार सिरौली और कोठिला गांव, जबकि एक गुलदार कोठिला और ढुलखोली गांव में दिखाई दे रहा है। शुक्रवार शाम इंटर कॉलेज ग्वीनखाल के अध्यापक घूमने के लिए निकले थे। इस दौरान उन्हें सिरौली गांव के पास काशीपुर-बुआखाल नेशनल हाईवे पर दो गुलदार दिखाई दिए। गुलदार के भय के कारण वह लौट गए। साथ ही उन्होंने आने जाने वालों को भी गुलदार दिखाई देने की बात बताई। स्थिति यह है कि सिरौली, बवांसा तल्ला, बवांसा मल्ला, मैठाणाघाट बाजार, खितोटिया, मैठाणा गांव समेत आसपास के गांवों के ग्रामीण अकेले आवाजाही करने में डर रहे हैं। वहीं, प्राथामिक विद्यालय गुजिया महादेव के छात्र-छात्रों में भी गुलदार की दहशत बनी है। उनका कहना है कि यदि वन विभाग ने जल्द गुलदारों को नहीं पकड़ा, तो वह आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

ग्राम झवाणा के मोटर मार्ग सर्वे पर ग्रामीणों ने जताई आपत्ति

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : दुगड्डा ब्लॉक के अंतर्गत ग्रामसभा आमसौड़ के राजस्व ग्राम झवाणा के लिए मोटर मार्ग के सर्वे पर ग्रामीणों ने आपत्ति दर्ज की है। लोगों ने वन विभाग की ओर से पूर्व में बनाए गए हलका मोटर मार्ग से सर्वे कराकर मार्ग का निर्माण कराने की मांग की है। लोनिवि दुगड्डा के अधिशासी अभियंता को भेजे गये ज्ञापन में ग्रामीणों ने कहा कि काटल, भैडगांव, झवाणसार, मानपुर, खाल (पलेठा) गांवों को सड़क सुविधा देने के लिए पूर्व में वन विभाग की ओर से आमसौड़ से पलेठा तक हलका वन मोटर मार्ग का निर्माण किया गया। जलागम परियोजना के तहत पलेठा से झवाणा तक छह फुट चौड़ी सड़क का निर्माण कराया गया। मार्ग बनने के बाद आमसौड़ से पलेठा मंदिर तक हल्के वाहनों की आवाजाही होती थी। कहा कि गत 31 अक्तूबर, 2023 को ग्रामसभा आमसौड़ की खुली बैठक में झवाणा गांव को सड़क सुविधा से जोड़ने का प्रस्ताव पारित किया गया। कहा कि लोनिवि दुगड्डा की ओर से मार्ग निर्माण के लिए सर्वे किया जा चुका है। लोनिवि दुगड्डा ने जहां से सड़क निर्माण के लिए सर्वे किया है, वहां से 300 मीटर आगे राप्रावि जमरगड्डी (काटल) से झवाणा तक वन विभाग ने पहले ही हलका मोटर मार्ग बनाया है। उक्त मार्ग में झवाणा गांव के ग्रामीणों की भूमि भी नहीं आ रही है। ग्रामीणों ने कहा कि सड़क के सर्वे में अन्य गांवों भैड़गांव, झवाणासार, मानपुर और खाल (पलेठा) और झिंडीडांडा को छोड़ दिया गया है। कहा कि यदि निर्माणाधीन 5 किमी. सड़क में सिद्धपुर गांव छूटते हैं तो इन गांवों को जोड़ने के लिए महज तीन किमी. सड़क के विस्तार की आवश्यकता होगी, जबकि अन्य गांवों को सड़क सुविधा से जोड़ने के लिए 10 किमी. सड़क बनानी होगी। ज्ञापन सौंपने वालों में ग्रामीण देव सिंह, नवीन जुयाल, मोहन सिंह, गुलाब सिंह, इंद्र मोहन जुयाल, मुकेश सिंह, विनोद सिंह आदि शामिल रहे।

इंग्लिश भाषण प्रतियोगिता में एवीएन रहा अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सिम्भलचौड़ स्थित टीसीजी पब्लिक स्कूल में आयोजित सातवें अंतर विद्यालयी टीसीजी मेमोरियल इंग्लिश भाषण प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग में एवीएन स्कूल ने पहला स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में नगर के 14 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया था। प्रतियोगिता का शुभारम्भ करते हुए तहसीलदार साक्षी उपाध्याय ने कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करना जीत के समान होता है। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन को याद करते हुए कहा कि आज के विद्यार्थियों में पहले की अपेक्षा अधिक प्रतिभाएं देखने को मिल रही हैं। विद्यालय की प्रधानाचार्य नीना ने मुख्य अतिथि और निर्णायक मंडल का स्वागत किया। कहा कि टीसीजी पब्लिक स्कूल के संस्थापक त्रिभुवन चंद्र घिल्डियाल के जन्मदिवस पर प्रतिवर्ष 30 अगस्त को अंतर विद्यालयी अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन होता है। प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग (कक्षा-9 से 12 तक) का मुख्य विषय क्या एआई मानव कल्पना की जगह ले सकता है। प्रतियोगिता में एवीएन स्कूल, टीसीजी पब्लिक स्कूल ने क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

हैप्पी होम स्कूल एवं नवयुग पब्लिक स्कूल संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। जूनियर वर्ग (कक्षा-6 से 8 तक) का मुख्य विषय क्या बच्चों के लिए स्क्रीन समय सीमा तय होनी चाहिए रहा। जूनियर वर्ग में टीसीजी पब्लिक स्कूल एवं ब्लूमिंग वेल पब्लिक स्कूल संयुक्त रूप से प्रथम स्थान पर रहे। एवीएन स्कूल ने द्वितीय और बाल भारती स्कूल ने तृतीय स्थान पाया। निर्णायक मंडल में बीजीयू के कंप्यूटर विभाग के विभागाध्यक्ष विकास कुमार पाल, एनटीटी डाटा के डिजिटल सॉल्यूशन आर्किटेक्ट अनिल सिंह रावत शामिल रहे।

शरदकालीन खेल दो सितंबर से

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जिला स्तरीय खो-खो एसोसिएशन पौड़ी गढ़वाल की शशिधर भट्ट स्टेडियम कोटद्वार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. महावीर बिष्ट ने बताया कि अंडर-14 हेतु जिला स्तरीय चयन शरदकालीन खेलो के साथ 2 सितम्बर को शशिधर भट्ट स्टेडियम में होंगे। उन्होंने इच्छुक प्रतिभागियों से अपने आधार कार्ड सहित प्रातः आठ बजे स्टेडियम में पहुंचने की अपील की है। बैठक में सदस्य अजय बिष्ट, भारत बिष्ट, अनिल नेगी, पंकज ध्यानी, मनोज नेगी, कल्पेश्वरी, आशीष रावत आदि मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया स्थापना दिवस

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पर्वतीय ठेकेदार संघ समिति की ओर से अपना स्थापना दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान सदस्यों ने समिति की मजबूती के लिए कार्य करना का संकल्प लिया। लोक निर्माण विभाग कोटद्वार के अतिथि गृह में संरक्षक नंदन किशोर डबराल की अध्यक्षता में स्थापना दिवस मनाया गया।

पर्वतीय ठेकेदार ने मीडिया प्रभरी की जिम्मेदारी पंकज चौधरी को दी। इस दौरान समिति ने अपनी 18 सूत्रीय मांगों पर भी चर्चा की। इस मौके पर अध्यक्ष देवेंद्र पाल सिंह नेगी, नंदन किशोर डबराल, किशोर लखेड़ा, विनोद रावत, प्रकाश रावत, राजीव कोठारी, दिनेश रावत, कुलदीप कंसल, राजपाल असवाल, परमवीर रावत आदि मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं को रोजगार परक कोर्स की दी जानकारी

करियर काउंसलिंग के तहत सरकारी विद्यालयों में हुई कार्यशाला

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : इंस्टीट्यूट ऑफ हास्पीटेलिटी मैनजमेंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) कॉलेज की ओर से करयिर काउंसलिंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें कोटद्वार के 10 सरकारी विद्यालयों में 12वीं की शिक्षा ले रहे छात्र-छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य को बनाने के लिए विभिन्न कोर्स की जानाकरी दी गई।

कॉलेज के जनसंपर्क अधिकारी नरेश थपलियाल ने राजकीय इंटर कालेज कोटद्वार, जीआईसी कुंभीचौड़, जीजीआईसी लालपानी, जीआईसी कोटड़ीडांग, जीजीआईसी घमंडपुर, जीजीआईसी कलालघाटी, जीआईसी कण्वघाटी, जीजीआईसी कोटद्वार, इंटर कालेज मोटाढांक और जीआईसी जयदेवपुर सिगड्डी में जाकर छात्र-छात्राओं को करियर काउंसलिंग के माध्यम से अपना करियर चुनने के लिए जागरुक किया। उन्होंने आईएचएमएस कॉलेज में संचालित बैचलर ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (बीबीए), बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए), बैचलर ऑफ साइंस इन इनफॉरमेशन टैक्नालॉजी (बीएससी-आईटी), बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट (बीएचएम) और सीएचएम कोर्स की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन कोर्सों को करने के बाद छात्र-छात्राएं विभिन्न सरकारी समेत स्वदेशी व विदेशी कंपनियों में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

कालेज के ईडी अजयराज नेगी ने कहा कि 12वीं की परीक्षा पास करने के बाद छात्रों को आगे रोजगार करने के लिए कोर्स की जानकारी नहीं होती है। ऐसे में वे जानकारी के अभाव में अपनी रुचि के विपरीत कोर्स चुनकर समय और पैसे की बर्बादी करते हैं। उसके बाद नौकरी के लिए भटकते रहते हैं। युवाओं को उनके भविष्य के लिए संस्थान की ओर से उन्हें करियर काउंसलिंग कार्यक्रम के माध्यम से रोजगार परक कोर्स की जानकारी दी जाती है। जिससे वे सही कोर्स को चुनकर अपना सुनहरा भविष्य बना सकते हैं।

छात्राओं को रोजगार परक कोर्स की जानकारी देते जनसंपर्क अधिकारी

खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ें युवा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लैंसडौन विधायक दिलीप सिंह रावत ने राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार पहुंचकर विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों से महाविद्यालय की व्यवस्थाओं के बारे में भी जानकारी ली। विधायक ने महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग का निरीक्षण किया। जिसमें शारिरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. हीरा सिंह डुंगरियाल द्वारा विगत वर्षों में छात्रों द्वारा विभिन्न खेलों में किए गए श्रेष्ठ प्रदर्शन बताया गया। प्राचार्य प्रो. डी.एस. नेगी ने किया कि विद्यार्थियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए समय-समय पर प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाती है। शारीरिक शिक्षा विभाग प्रभारी डॉ. हीरा सिंह ने कहा वर्तमान में कई विद्यार्थी क्षेत्र के क्षेत्र में आगे बढ़कर अपने प्रदेश व शहर का नाम रोशन कर रहे हैं। इस मौके पर आरएस चौहान, डॉ. जुनिश कुमार, और डॉ. संदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

महाविद्यालय का निरीक्षण करते विधायक दिलिप रावत

उपनल कर्मचारी तीन सितंबर को करेगें सचिवालय का घेराव

श्रीनगर गढ़वाल : राज्य निगम कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर जल निगम के उपनल कर्मचारी 3 सितम्बर को देहरादून में नियमितीकरण की मांग को लेकर सचिवालय घेराव करेंगे। जल निगम उपनल महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष महेश चंद्र ने बताया की राज्य निगम महासंघ ने पूर्व में मुख्यमंत्री को दिए ज्ञापन में प्रदेश के समस्त निगमों व कार्यालय में विगत 10-15 सालों से उपनल व अन्य ऐजेंसी के माध्यम से सेवाएं दे रहें कर्मचारी को नियमितीकरण किए जाने की मांग की थी, लेकिन सरकार ने उनकी मांग पर कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं की। जिससे आक्रोशित उपनल कार्मिक, आउटसोर्स, दैनिक वेतन भोगी, पीटीसी कार्मिकों ने सचिवालय का घेराव करने का निर्णय लिया है।

कांग्रेस ने फूंका सरकार का पुतला, सीएम का मांगा इस्तीफा

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : प्रदेश में महिलाओं के साथ अपराध बढ़ने का आरोप लगाते हुए शनिवार को कांग्रेस व युवा कांग्रेस ने प्रदर्शन करते हुए प्रदेश सरकार का पुतला फूंका। इस दौरान कांग्रेसियों ने प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की। कहा कि महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराधों को रोकने में प्रदेश सरकार पूरी तरह से नाकाम है। भाजपा सरकार में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़े है। प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। शनिवार को डीएम कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते हुए कांग्रेसियों ने कहा कि प्रदेश में आए दिन महिलाओं के साथ अत्याचार बढ़ रहे हैं। अभी तक अंकिता भंडारी को न्याय नही मिल पाया। देहरादून व हरिद्वार में नाबालिगों के साथ दुष्कर्म की घटनाओं ने प्रदेश को शर्मशार कर दिया है। रुद्रपुर में नर्स के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या दिखाता है कि प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है और प्रदेश के मुख्यमंत्री केवल कोलकाता की घटना पर दुःख जता रहे हैं। कहा कि महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराधों को रोकने में प्रदेश सरकार पूरी तरह से फेल हो गई है। कहा कि सल्ट में भाजपा के मंडल अध्यक्ष पर भी 14 साल की किशोरी से छेड़छाड़ का आरोप लगा है। इस मौके पर युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित सिंह, नगर अध्यक्ष कांग्रेस भरत सिंह, यशोदा नेगी, शिवप्रसाद रतूड़ी, संजना गुजराल, सोनू, राहत हुसैन, सुमंत नेगी, मनमोहन, गणेश रावत आदि मौजूद रहे।

दिव्यांग युवा 15 सितंबर तक करें आवेदन

रूद्रप्रयाग : अनुसूचित जाति के दिव्यांग युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए उत्तराखंड बहुउद्देशीय वित्त एवं विकास निगम रुद्रप्रयाग द्वारा दिव्यांग जीविका अवसर प्रोत्साहन योजना संचालित की जा रही है। योजना के तहत इच्छुक आवेदक 15 सितंबर, 2024 तक अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी/पदेन जिला प्रबंधक उत्तराखंड बहुउद्देशीय वित्त एवं विकास निगम सुनीता अरोड़ा ने उक्त आशय की जानकारी देते हुए बताया कि 'दिव्यांग जीविका अवसर प्रोत्साहन योजना' के अंतर्गत बैंक और विभाग से टर्मलोन ऋण/अनुदान दिया जाता है। उन्होंने आवश्यक औपचारिकताओं के विषय में जानकारी दी है कि उक्त योजना के तहत ऋण आवेदन हेतु आवेदक को जनपद का स्थाई निवासी होना आवश्यक है। इसके अलावा मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा 40 प्रतिशत या उससे अधिक का प्रमाण पत्र हो। आवेदक की वार्षिक आय ग्रामीण क्षेत्र में 1.60 लाख जबकि शहरी क्षेत्र में 2.00 लाख से अधिक न हो। योजना के लिए आवेदक की आयु 18 से 50 वर्ष के मध्य हो। उन्होंने दिव्यांग जीविका अवसर प्रोत्साहन योजना हेतु आवेदन करने वाले इच्छुक अभ्यर्थियों से 15 सितंबर, 2024 तक खंड विकास कार्यालय में कार्यरत सहायक समाज कल्याण अधिकारी के माध्यम से अथवा विकास भवन में स्थित जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में आवेदन जमा करने की अपील की है।

व्यापारियों व स्थानीय लोगों ने किया पंचायत कार्यालय का घेराव

श्रीनगर गढ़वाल : नगर पंचायत कीर्तिनगर के ओर से दुकानों के आवंटन के विरोध में शनिवार को स्थानीय लोगों सहित व्यापारियों ने नगर पंचायत कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान आक्रोशित लोगों ने स्थानीय प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। इसके बाद स्थानीय लोगों ने तहसील पहुंचकर सांकेतिक धरना भी दिया। इस मौके पर कांग्रेस के सोशल मीडिया के प्रदेश सचिव रामलाल नौटियाल, जिला व्यापार सभा प्रांतीय उपाध्यक्ष रोशन सेमवाल, सेवादल के मंगत मटियाल, प्रदीप थपलियाल, उदय सिंह रावत, यूकेडी के संसदीय बोर्ड सदस्य चिरंजी लाल पुंडीर ने आरोप लगाया कि सरकार और सत्ता के दबाव में नगर पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत अपने चहेतों को दुकानें आवंटित की जा रही है।

थम नहीं रही गुलदार की धमक, पुलिस कर रही सुरक्षा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : रिखणीखाल प्रखंड में गुलदार की दहशत कम होने का नाम नहीं ले रही। ऐसे में अब गुलदार से बच्चों की सुरक्षा के लिए पुलिस ने भी कमर कस ली है। गुलदार प्रभावित विद्यालयों के आसपास पुलिस लगातार गश्त कर रही है।कुछ दिन पूर्व गुलदार ने रिखणीखाल के कोटा गांव में एक पांच वर्षीय बच्चे को अपना निवाला बना दिया था। तीन दिन पूर्व ही वन विभाग ने गांव में पिंजरा लगाकर गुलदार को कैद दिया। लेकिन, ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में अब भी कई गुलदार घूमते हुए नजर आ रहे हैं। कई स्थानों पर गुलदार ने मवेशियों को भी अपना शिकार बना दिया था। ऐसे में लगातार बढ़ रही गुलदार की दहशत को देखते हुए पुलिस भी मैदान में उतर गई है। बच्चों के स्कूल जाने व आने के समय पुलिस लगातार जगल के आसपास गश्त कर रही है। थानाध्यक्ष संतोष पैथवाल ने बताया कि अभियान के दौरान ग्रामीणों को भी अपने घरों के आसपास झाड़ियों को काटने की अपील की जा रही है।

: बच्चों को स्कूल से घर जाने के दौरान सुरक्षा करते पुलिस कर्मी

डिप्टी कमांडेंट और एडम बटालियन कमांडर ने सुनी पूर्व सैनिकों की समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : शनिवार को गढ़वाल राइफल रेजीमेंट के डिप्टी कमांडेंट कर्नल कुलदीप सिरोही और एडम बटालियन कमांडर कर्नल गुरविंदर सिंह गिल ने थलीसैंण क्षेत्र के पूर्व सैनिकों की समस्याएं सुनी। डिप्टी कमांडेंट कर्नल कुलदीप सिरोही ने कहा जो भी समस्याएं पूर्व सैनिकों, सैनिक आश्रितों की जो भी समस्याएं है उनका निराकरण किया जाएगा। कर्नल गुरविंदर सिंह गिल ने सीएसडी से सम्बंधित जो भी शिकायत होगी उन्हें दूर किया जायेगा। कहा कि सीएसडी की अच्छी सुविधा के लिए अच्छा स्थाना होना चाहिए, ताकि सीएसडी में सामान का डिस्प्ले अच्छे तरीके से हो सके।

सैनिक विश्राम गृह में आयोजित बैठक में पूर्व सैनिक संगठन थलीसैंण के अध्यक्ष जगदीश सिंह गुसांई ने सीएसडी कैंटीन के डिपो कलेक्शन की तारीखों में बदलाव और ग्रॉसरी का पर्याप्त मात्रा में सामान उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि कैंटीन में सामान पूरे माह उपलब्ध होना चाहिए, ताकि दर-दराज के पूर्व सैनिकों को पूरा सामान मिल सके। यदि सामान बीच में ही समाप्त हो जाता है तो सप्लीमेंट्री डिमांड होनी चाहिए। कहा कि ईसीएचएस पॉलीक्लीनिक पौड़ी में होने के कारण थलीसैंण के पूर्व सैनिकों के लिए मोईबल इसीएचएस सेवा उपलब्ध होनी चाहिए, ताकि दूर-दराज के पूर्व सैनिकों को लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड कार्यालय में पूर्व सैनिकों की समस्या का फोन के माध्यम से समाधान होना चाहिए। इस अवसर पर सुबेदार प्रताप सिंह, सुबेदार बालम सिंह, सुबेदार नरेन्द्र सिंह, सुबेदार आशाराम पोखरियाल, सुबेदार मोहन लाल पंत, हवलदार श्याम सिंह, सुबेदार कुलवंत सिंह आदि मौजूद थे।

उड़ेगी गांव के ग्रामीण अंधेरे में रात काटने को मजबूर

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : विकासखंड थलीसैंण के ग्राम उड़ेली के ग्रामीण अंधेरे में रात काटने को मजबूर है। बिजली न होने से जहां जंगली जानवरों का खतरा बना हुआ है। वहीं सांय होते ही ग्रामीण घरों में कैद होने को मजबूर है। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से जल्द से जल्द विद्युत आपूर्ति सुचारू करने की मांग की है।ग्रामीणों ने बताया कि 28 अगस्त शाम को आकाशीय बिजली गिरने से बिजली का ट्रांसफॉर्मर जल गया था। जिस कारण विद्युत आपूर्ति बंद हो गई। बिजली न होने के कारण गांव वाले अंधेरा होने से पहले ही घरों में दुबक जा रहे हैं। गांव जंगल से सटा होने के कारण दिन में ही गांव के पास जंगली जानवर दिखाई देते है। रात के समय लाईट न होने के कारण हर समय अनहोनी घटना होने का खतरा बना हुआ है। रात के समय में कोई बीमार पड़ जाए तो दूसरे घर तक कोई जा भी नहीं सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि संचार सुविधा भी ठप होने से किसी से सम्पर्क नहीं हो पा रहा है। कहा कि इस क्षेत्र में बाघ और भालू का विशेष खतरा बना हुआ है। पूर्व प्रधान प्रताप सिंह गुसांई ने बताया कि ट्रांसफॉर्मर लगाने की मांग को लेकर विद्युत विभाग को लिखित शिकायत दी गई है। उन्होंने बताया कि विद्युत विभाग के जेई धर्मेंद्र कुमार का कहना है कि ट्रांसफॉर्मर कोटद्वार से आएगा, इसलिए दो दिन बाद ही ग्राम उड़ेगी में ट्रांसफॉर्मर लग पायेगा।

एक नजर

निकायों में तीसरी बार बढ़ा प्रशासकों का कार्यकाल

देहरादून। प्रदेश में नगर निकाय के चुनाव को लेकर लगातार संशय बना हुआ है। पिछले कई महीनो से राज्य में निकायों चुनाव पर कसरत चल रही है, लेकिन सरकार अब तक इसकी औपचारिकताएं पूरी नहीं कर पाई। इधर, निकायों में तैनात प्रशासकों का कार्यकाल एक बार फिर अग्रिम आदेशों तक बढ़ा दिया गया है। इस संबंध में सचिव शहरी विकास विभाग नितेश झा की ओर से आदेश जारी किए गए हैं। उत्तराखंड में एक दिसंबर 2023 को नगर निकायों के बोर्ड का कार्यकाल समाप्त हो गया था। ऐसे में जिलाधिकारियों को छह माह के लिए बतौर प्रशासक नियुक्त किया गया था। लेकिन यह अवधि भी 31 मई को समाप्त हो गई। इसके बाद पुनः तीन माह के लिए प्रशासकों का कार्यकाल बढ़ाया गया था। यह अवधि 2 सितंबर को समाप्त हो रही है। बीच में शनिवार–रविवार का अवकाश होने की वजह से शासन की ओर से 30 अगस्त को ही इसके आदेश कर दिए गए। आदेश में राज्य में प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओं का हवाला दिया गया है। इसमें कहा गया है कि प्रदेश में मानसून सीजन में अतिवृष्टि, भूस्खलन, बादल फटना जैसी घटनाएं हो रही हैं। इसके अलावा ओबीसी सर्वे में समय लगने की संभावना है। इसलिए निकायों में प्रशासनिक शून्यता की स्थिति पैदा न हो, इसलिए विशेष परिस्थितियों में नगर निकायों में प्रशासकों का कार्यकाल नए बोर्ड के गठन तक के लिए विस्तारित किया जा रहा है।

माधोपुर घटना की सीबीआई जांच की मांग को लेकर धरने पर बैठे कांग्रेसी

रुड़की। माधोपुर में युवक के तालाब में डूबने से मौत के मामले में कांग्रेस ने पूर्व सीएम हरीश रावत व प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा के नेतृत्व में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट कार्यालय के बाहर धरना दिया। मामले में सीबीआई जांच की मांग की गई है। रविवार एसएसपी कार्यालय पर धरना देने का निर्णय लिया गया। रुड़की ब्लॉक के माधोपुर गांव स्थित तालाब में डूबने से सोहलपुर निवासी वसीम उर्फ मोनू की मृत्यु 25 अगस्त को हो गई थी। परिजनों ने आरोप लगाया था कि पुलिस कर्मियों ने मोनू को तलाब में डुबाकर मारा है। पुलिस के अनुसार, वह गौमांस की तस्करी कर रहा था और चेकिंग के दौरान रोकने पर गिरफ्तारी से बचने के लिए मोनू तालाब में कूद गया और डूबने से उसकी मौत हो गई। मामले के बाद मृतक के घर लगातार कांग्रेस वरिष्ठ नेता पहुंच रहे हैं। पूर्व सीएम हरीश रावत ने भी इस मामले की सीबीआई जांच की मांग की है। इसी मांग को लेकर कांग्रेसी नेता शनिवार को तहसील स्थित ज्वाइंट मजिस्ट्रेट कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि मामले में दोषी पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार लगातार निदोष लोगों को टारगेट कर रही है। पुलिस का दुरुपयोग कर अनैतिक कार्य करवा रही है। वह इस लड़ाई को रुड़की से देहरादून और दिल्ली तक भी लड़ेंगे।

विधायकों के वेतन की तर्ज पर बढ़े किसान सम्मान निधि

रुड़की। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को प्रेस वार्ता का आयोजन कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

साथ ही दस सितम्बर को रैली का आयोजन कर उप जिला अधिकारी रुड़की को किसानों की समस्याओं के समाधान को लेकर ज्ञापन देने की बात भी कही गई। करौंदी में भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के किसान सोनवीर सिंह के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में यूनियन के जिला अध्यक्ष विजय शास्त्री ने स्मार्ट मीटर का विरोध करते हुए कहा कि जिस तरह से स्मार्ट मीटर के नाम पर प्रदेश सरकार द्वारा पैसा एडवांस में जमा कराया जा रहा है। उसी तर्ज पर किसानों की फसल का पैसा भी एडवांस में देना चाहिए। कहा कि प्रदेश सरकार ने जैसे विधायकों के वेतन आदि में वृद्धि की है ऐसे ही किसान सम्मान निधि 6000 से बढ़कर 20000 की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि खाद एवं बीज में हुए घोटाले की जांच कराई जाए। इकबालपुर शुगर मिल पर बकाया भुगतान को शीघ्र किसानों को दिया जाए। प्रदेश के स्थित सिडकुल में स्थानीय युवाओं को 70 फीसदी रोजगार दिया जाए। साथ ही उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा किसानों के बेवजह चालान किए जा रहे हैं, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होनें कहा कि किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए 10 सितम्बर को मंगलोर गुड़ मंडी में इकट्ठा होकर किसानों के साथ रुड़की उपजिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर,धरना प्रर्दशन कर ज्ञापन दिया जाएगा।

सीडीएस व एनडीए की परीक्षा आज, 881 अभ्यर्थी होंगे शामिल

जिलाधिकारी ने परीक्षा के सफल संचालन को लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : संघ लोक सेवा आयोग की ओर से 01 सितंबर, 2024 (रविवार) को होने वाली सीडीएस व एनडीए की परीक्षा को लेकर जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने एनआईसी कक्ष में संबंधित अधिकारियों के साथ तैयारी बैठक की।

परीक्षा के सफल आयोजन के लिए सभी परीक्षा केंद्र प्रभारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिये। एनडीए व सीडीएस की परीक्षा के लिए 04 परीक्षा केंद्र बनाये गये हैं, जिसमें 881 अभ्यर्थी शामिल होंगे।

शनिवार को बैठक लेते हुए जिलाधिकारी ने पुलिस अधिकारी को परीक्षा केंद्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि

परीक्षा केंद्र के अंदर इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस किसी भी अधिकारी व अभ्यर्थी द्वारा न ले जाया जाए, इसका विशेष ध्यान दें। उन्होंने नकल विहीन परीक्षा कराने को लेकर परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पूर्व सभी अभ्यर्थियों की तलाशी करने व परीक्षा केंद्र के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिये हैं। जिलाधिकारी ने आगामी परीक्षा को ध्यान में रखते हुए नकल विहीन परीक्षा के संचालन हेतु खुफिया एजेंसी को निर्देश देते हुए कहा कि जनपद के अंतर्गत सभी कोचिंग सेंटरों में सख्त निगरानी रखी जाए। कहा कि परीक्षा केंद्रों के आसपास धारा 144 लागू की जाएगी। डिप्टी सेक्रेटरी संघ लोक सेवा आयोग एस.एस. रावत ने बताया कि श्रीनगर शहर के अंतर्गत एनडीए व सीडीएस के लिए कुल 04 परीक्षा केंद्र बनाये गये हैं, जिसमें सीडीएस परीक्षा के लिए राजकीय इंटर कॉलेज श्रीनगर व हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि तथा एनडीए परीक्षा के लिए राजकीय बालिका इंटर कॉलेज श्रीनगर व राजकीय पॉलिटैक्निक कॉलेज श्रीनगर को परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए व सीडीएस की परीक्षा में कुल 881 अभ्यर्थी शामिल होंगे। जिसमें सीडीएस परीक्षा में 317 व एनडीए परीक्षा में 564 अभ्यर्थी शामिल हैं। कहा कि सीडीएस परीक्षा 03 शिफ्टों में होगी, पहली शिफ्ट प्रातः 09 से 11, दूसरी शिफ्ट 12 से 02 व तीसरी शिफ्ट 03 से 05 बजे तक होगी। जबकि एनडीए की परीक्षा 02 शिफ्टों में होगी। पहली शिफ्ट प्रातः 10 बजे से 12:30 बजे व दूसरी शिफ्ट दोपहर 02 बजे से 04:30 बजे तक संपन्न होगी। बैठक में प्रशिक्षु आईएएस दीक्षिता जोशी, एएसपी अनूप काला, जिला विकास अधिकारी मनविन्दर कौर, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक रणजीत सिंह नेगी, सहायक कोषाधिकारी आशीष गोस्वामी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मिड डे मील में लागू करेंगे बीआईएस के मानकः तिवारी

देहरादून। सरकारी स्कूलों में पीएम पोषण योजना के तहत पकाए जाने वाले दोपहर के भोजन के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने संशोधित मानक कोड –2024 जारी कर दिया। शनिवार को सुभाषनगर स्थित एक होटल में आयोजित कार्यशाला में शिक्षा अधिकारियों को विस्तार से नए मानकों की जानकारी दी गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि डीजी–शिक्षा बंशीधर तिवारी ने कहा कि छात्र–छात्राओं की सुरक्षा सर्वोपरि है। सरकारी स्कूलों में ब्यूरो के मानकों को लागू किया जाएगा। बीआईएस के निदेशक सौरभ तिवारी ने नए कोड की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बीआईएस ने हर क्षेत्र के लिए सुरक्षा के मानक और मापदंड तय किए हैं। उनका शतप्रतिशत पालन करने पर गुणवत्ता में भी सुधार होता है और सुरक्षा भी मिलती है। अपर निदेशक–शिक्षा डॉ. मुकुल कुमार सती ने कहा कि खाना स्वादिष्ट होना ही जरूरी नहीं है, बल्कि उसका सुरक्षि होना भी अनिवार्य है। इसलिए एमडीएम की सामग्री लेते हुए इस पहले का भी ध्यान रखा जाए। एफडीए के उपायुक्त गणेश कंडवाल ने खाद्य सुरक्षा और जेडी–एमडीएम कुलदीप गैरोला ने राज्य में पीएम पोषण योजना की जानकारी दी। उपनिदेशक–बीआईएस सचिन चौधरी ने प्रेजेंटेंशन के जरिए मानक कोड पर चर्चा की। कार्यक्रम में मौजूद भोजनमाताओं, शिक्षा अधिकारियों से भी राय ली।

–भोजन को गरमागरम परसों, ठंडा होने पर बैक्टिरिया पनपने लगता है।
– कच्ची सामग्री को सुरक्षित कंटेनर में रखें, बोरे, पालीथीन आदि में नहीं।
– भोजन स्वच्छ ईंधन पर ही पकाएं, खुले में भोजन पकाने से बचे।
– रसोईघर में निर्माण और भोजन की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
– एमडीएम की कच्ची सामग्री मान्यताप्राप्त कारोबारी से ही खरीदी जाए।

मैराथन दौड़ में दिनेश, विजय, चंदन ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : चमोली जिले में नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शनिवार को 14 किलोमीटर की हॉफ मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने हरी झण्डी दिखाकर मैराथन दौड़ को रवाना किया। मैराथन दौड में प्रथम तीन विजेताओं को चैक के माध्यम से प्रथम पुरस्कार दिनेश चंद्र को 2100 रुपये, द्वितीय पुरस्कार विजय सिंह को 1500 रुपये व तृतीय पुरस्कार चन्दन सिंह नेगी को 700 रुपये का चैक प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त बालिकाओं में अंजू, कलावती, आरूषि, दीया व सावित्री तथा बालकों में अमन ठाकुर, रोहित राणा व रितुल परिहार को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। शनिवार को प्रातः 8:30 बजे नये बस अडडे से घिंघरण मोटर मार्ग पर चयनित स्थल तक 14 किलोमीटर मैराथन दौड आयोजित गयी। समाज कल्याण विभाग द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत युवाओं को नशे के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। मैराथन के लिए ऑनलाइन पंजीकरण किया गया था, जिसमें 133 लोगों ने प्रतिभाग किया। वहीं इस दौरान सिग्नेचर कैपेन के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया और लोगों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलायी गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा इस मैराथन का मुख्य उदेश्य नशे की दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक करना है। कहा कि आज का युवा नशे में अपना जीवन बर्बाद कर रहा है। हमें उनको नशे से दूर ले जाना है।

जिला अस्पताल चंपावत में मुख्यमंत्री ने किया सीटी स्कैन मशीन का लोकार्पण

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को जिला अस्पताल चंपावत में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए 5 करोड़ 18 लाख 68 हजार रुपये की धनराशि से स्थापित सिटी स्कैन मशीन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने जिला अस्पताल में मरीजों से मिलकर उनका हाल जाना एवं जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया। साथ ही मरीजों को बेहतर से बेहतर ईलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदर्श जनपद बनने की ओर जिला चंपावत तेजी से बढ़ रहा है। जनपद में विकास कार्यों के साथ-साथ लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। जनपद में सीटी स्कैन मशीन की सुविधा से जहां एक ओर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया होंगी वहीं आदर्श जनपद चंपावत की परिकल्पना

भी एक कदम और अग्रसित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद में लगातार स्वास्थ्य सेवाओं में बढ़ोतरी हो रही है। जिला अस्पताल लगातार आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित अस्पताल बन रहा है। सीटी स्कैन मशीन संचालित होने के बाद जनपद के मरीजों को बाहरी जनपदों के अस्पतालों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। मरीजों को सिटी स्कैन की सुविधा अपने ही जिले में प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल में लगातार विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती की गई है, जिन चिकित्सकों/विशेषज्ञों की तैनाती नहीं हुई है, उनकी भी शीघ्र तैनाती की जाएगी। जिससे यहां आने वाले मरीजों को बेहतर उपचार के लिए कहीं अन्यंत्र नहीं जाना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि लोगों को बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा जनपद में क्रिटिकल केयर यूनिट का भी निर्माण कराया जा रहा है जो शीघ्र ही पूर्ण हो जाएगा। उन्होंने कहा अस्पताल में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार होने से क्षेत्र में पलायन रुकेगा एवं सीमांत क्षेत्र को इसका लाभ मिलेगा। इस मौके पर अध्यक्ष जिला पंचायत ज्योति राय, भाजपा जिला अध्यक्ष निर्मल महारा, विधायक प्रतिनिधि प्रकाश तिवारी, जिलाधिकारी नवनीत पांडे, पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेश चौहान एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

डोर-टू-डोर कूडा कलेक्शन व सोर्स सेग्रिगेशन पर विशेष फोकस करें

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह की अध्यक्षता में शनिवार को जिला गंगा संरक्षण समिति की बैठक हुई। जिसमें गंगा नदी की सभी प्रमुख सहायक नदियों के पुनरुद्धार, संरक्षण, मरम्मत और पुनर्वास के लिए विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित कार्यों की समीक्षा की गई।

मुख्य विकास अधिकारी ने नमामि गंगे द्वारा जोशीमठ और कर्णप्रयाग में नवनिर्मित चारों एसटीपी का संयुक्त निरीक्षण करते हुए तत्काल जल संस्थान को हैंडओवर करने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपद में संचालित सभी एसटीपी का हर महीने निरीक्षण करने को कहा। एसटीपी में सीवेज ट्रीटमेंट के बाद बचे कीचड़ (स्लज) का इस्तेमाल खाद बनाने में किया जाए और वन विभाग, एनजीओ या किसी संस्था के माध्यम से किसानों को उपलब्ध कराया जाए। नगर निकायों में डोर-टू-डोर कूडा कलेक्शन व

सोर्स सेग्रिगेशन पर विशेष फोकस करते हुए नियमों का उल्लंघन करने वालों का चालान किया जाए। सदस्य सचिव/प्रभागीय वनाधिकारी सर्वेश कुमार दुबे ने विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनपद में स्वीकृत 16 एसटीपी का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिसमें से 12 एसटीपी जल संस्थान को हैंडओवर किए गए है। इन एसटीपी में 28 नालों को जोड़ा गया है। इसमें बद्रीनाथ में 6, जोशीमठ में 05, गोपेश्वर में 07, नंदप्रयाग में 03 तथा कर्णप्रयाग में 07 गंदे नाले एसटीपी से जोडे गए है। नगर निकायों में सोर्स सेग्रीगेशन, डोर टू डोर कूडा कलेक्शन, नालों की नियमित सफाई तथा कूडे से खाद बनाने का काम किया जा रहा है। वहीं वित्तीय वर्ष में अब तक कॉम्पैक्ट अजैविक सामग्री से 13.47 लाख व गीले कूड़े से तैयार कम्पोस्ट खाद से 6800 रुपये की राशि प्राप्त हुई। साथ ही उन्होने बताया कि नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत अर्थ गंगा के तहत कृषकों को प्रशिक्षण दिए जाने हेतु कृषि विभागों द्वारा सभी ब्लॉकों में कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। बैठक में जल संस्थान के अधिशासी अभियंता एसके श्रीवास्तव, ईओ गोपेश्वर पीएस नेगी सहित वर्चुअल माध्यम से सभी संबंधित अधिकारी एवं नगर निकायों के अधिशासी अभियंता उपस्थित थे।

उत्तराखंड लोक विरासत 14 और 15 दिसंबर को

देहरादून। उत्तराखंड लोक विरासत आयोजन इस साल 14 और 15 दिसंबर को हरिद्वार बाईपास रोड कारगी स्थित सोशल बलूनी स्कूल परिसर में होगा। लोक विरासत के आयोजक चारधाम अस्पताल के निदेशक वरिष्ठ फिजीशियन डा. केपी जोशी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये कार्यक्रम तीसरी बार किया जा रहा है। इस बाबत लोकगायक नरेंद्र सिंह नेगी और प्रीतम भरतवाण की मौजूदगी में बैठक हुई। कोर कमेटी के सदस्यों की ओर से सुझाव दिए गए। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई। इस बार भी आयोजन स्थल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही राज्य की पारंपारिक उत्पादों के स्टॉल लगाए जाएंगे। डा. केपी जोशी ने बताया कि उत्तराखंड की संस्कृति के बढ़ावे के लिए हर साल उत्तराखंड लोक विरासत का आयोजन किया जाता है। स्कूल परिसर में इसलिए किया जा रहा है कि जाकि छात्रों को भी राज्य की संस्कृति के बारे में पता चल पाए।

सिविल अस्पताल के सफाई कर्मचारियों को नहीं मिलती है छुट्टी

रुड़की। सिविल अस्पताल में कार्यरत सफाई कर्मचारियों ने राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य विनय प्रताप सिंह के समक्ष अपनी समस्याएं गिनाई। सफाई कर्मचारियों ने कहा कि उन्हें साप्ताहिक छुट्टी नहीं दी जाती है। समय से वेतन नहीं मिलता है। ठेकेदार द्वारा भी परेशान किया जाता है। आयोग सदस्य ने समस्या के उचित समाधान का आश्वासन दिया। शनिवार को सिविल अस्पताल के सीएमएस कक्ष में आयोग सदस्य ने सफाई कर्मचारियों और अस्पताल प्रबंधन के साथ एक बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने सफाई कर्मचारियों से बातचीत करते हुए उनकी समस्याएं जानने की कोशिश की। कर्मचारियों ने कहा कि ठेकेदार द्वारा साप्ताहिक छुट्टी नहीं दी जाती है। वेतन भी चैक के माध्यम से दिया जाता है। सेफ्टी टूल भी समय से नहीं मिलती है। स्वास्थ्य जांच के शिविर नहीं लगाए जाते। समस्याएं सुनने के बाद आयोग सदस्य ने अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान सफाई कर्मचारियों का रजिस्टर अपडेट नहीं मिला। उन्होंने कहा कि विभाग की जिम्मेदारी है कि वह ठेकेदार से बातचीत कर समय से वेतन उपलब्ध करवाए। बायोमैट्रिक हाजिरी लगवाने के निर्देश दिए। आयोग सदस्य द्वारा सफाई कर्मचारियों को पीएफ, ईएसआई श्रमिक कार्ड समेत विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

दो दिवसीय प्रांतीय सधारण सभा का आगाज

रुड़की। संस्कार भारती की प्रांतीय साधारण सभा का दो दिवसीय कार्यक्रम हरमिलाप धर्मशाला साकेत में शुरू हुआ। जिसमें संस्कार भारती के द्वारा विभिन्न विधाओं में संचालित हुए विगत वर्ष के साहित्य, संगीत, गीत, नृत्य, नाटक, चित्रकला, रंगोली एवं अन्य राष्ट्रहित के कार्यक्रमों की आख्या का प्रस्तुतीकरण एवं मूल्यांकन किया गया। साथ ही इन कार्यक्रमों के भावी आयोजन के लिए अगले वर्ष की योजनाओं पर भी विचार– विमर्श किया गया। कार्यक्रम शुरू होने से पूर्व शनिवार को संस्कार भारती की ओर से एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। जहां पदाधिकारियों ने बताया कि अलग–अलग सत्रों में बैठकों का प्रारूप निर्धारित कर लिया गया है। पहले दिन पंजीकरण, प्रबंध कारिणी बैठक का उद्घाटन सत्र, प्रांतीय साधारण सभा बैठक तथा सम्मान आदि कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। संपूर्ण उत्तराखंड प्रांत का यह वार्षिक वृहद कार्यक्रम इस वर्ष संस्कार भारती महानगर रुड़की इकाई के द्वारा आयोजित किया जा रहा है। रुड़की महानगर इकाई के अध्यक्ष मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यक्रम निर्धारित समय पर प्रारंभ हो चुका है तथा कार्य वृत्त के अनुसार सभी बैठकें अपने नियत समय पर होंगी। कार्यक्रम का समापन एक सितंबर को होगा।

रुड़की के व्यापारियों ने नगर विधायक बत्रा का किया स्वागत

रुड़की। मंडी शुल्क कम करने की मांग विधानसभा सत्र में उठाने पर रुड़की के व्यापारियों ने पुष्प गुच्छ देकर नगर विधायक प्रदीप बत्रा का स्वागत किया। व्यापारियों ने कहा कि मंडी शुल्क को 2.5 प्रतिशत से घटा कर उत्तर प्रदेश की तर्ज पर 1.5 प्रतिशत करना, व्यापारियों की काफी पुरानी मांग है।

उन्होंने बताया कि ज्यादा शुल्क होने की वजह से व्यापारी उत्तर प्रदेश से कम शुल्क पर माल लाते हैं। जिससे उत्तराखंड को राजस्व की हानि होती है। व्यापारी अनिरुद्ध गुप्ता, अजेश गुप्ता आदि ने बताया कि देसी घी पर पूरे भारत में मंडी शुल्क फ्री है। लेकिन उत्तराखंड में मंडी शुल्क ढाई परसेंट लिया जाता है।

आवेदन को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए : सीडीओ

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित स्वरोजगार परक योजनाओं से बेरोजगार युवाओं को लाभान्वित करने के उद्देश्य से मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई।

उन्होंने कहा कि किसी भी आवेदन पत्र को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। यदि किसी आवेदन पत्र में कोई कमी पाई जाती है तो उसके निराकरण के लिए संबंधित विभाग एवं लाभार्थी को सूचित किया जाए। जिससे कि उनके द्वारा जो भी कमी है उस कमी को दूर किया जा सके। बैठक की समीक्षा करते हुए मुख्य विकास

अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं बैंक प्रबंधकों को निर्देश देते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा बेरोजगार युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए उन्हें ऋण उपलब्ध कराने के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं संचालित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों के माध्यम से स्वरोजगार हेत ऋण उपलब्ध कराने के लिए लाभार्थियों द्वारा जो भी आवेदन पत्र प्राप्त किए जाते हैं जो बैंकों को प्रेषित किए जाते हैं इसके लिए सभी बैंक प्राप्त आवेदन पत्रों को त्वरित शीर्ष प्राथमिकता से आवेदन पत्रों को स्वीकृत करते हुए ऋण उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

जिससे कि बेरोजगार युवा अपना रोजगार शुरू कर सकें। उन्होंने सभी बैंक प्रबंधकों को हिदायत दी है कि रोजगार परक योजनाओं के लिए अधिक से अधिक ऋण स्वीकृत करें। जिससे कि ऋण जमा अनुपात (सीडी रेस्यू) की स्थिति में सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि बैठक में सभी बैंक प्रबंधक अपनी पूरी तैयारी के साथ आएं कि कितने आवेदन पत्र बैंक को प्राप्त हुए हैं कितनों को स्वीकृत किया गया है तथा कितनों पर आपत्तियां हैं।

डीएम ने विद्यालय संचालन में आ रही समस्याओं का मौके पर किया निस्तारण

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने शनिवार को जवाहर नवोदय विद्यालय पीपलकोटी में विद्यालय प्रबंधन एवं सलाहकार समिति की बैठक ली। उन्होंने विद्यालय संचालन में आ रही समस्याओं का निराकरण करते हुए छात्र-छात्राओं को कैरियर काउंसलिंग के साथ बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने सदस्यों के साथ विद्यालय परिसर का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया।जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि विद्यालय में पठन-पाठन के अलावा बच्चों को विभिन्न क्षेत्र की गतिविधियों की जानकारी देकर उनकी कैरियर काउंसलिंग की जाए। ताकि यहां से निकलने के बाद बच्चे अपनी रूचि के अनुसार अपनी प्रतिभा को लेकर आगे बढ़ सके। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि प्रत्येक बुधवार को विद्यालय परिसर में कैंप लगाकर बच्चों की स्वास्थ्य जांच कराई जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यालय में छात्रावास के पीछे भूस्खलन क्षेत्र के उपचार के लिए वन, सिंचाई एवं पशुपालन अधिकारियों के माध्यम से संयुक्त निरीक्षण कराया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि विद्यालय में खेल मैदान विस्तारीकरण और प्रार्थना स्थल पर टिन शेड निर्माण हेतु प्रस्ताव तैयार किया जाए। लोक निर्माण विभाग को शैक्षणिक भवन के समीप मुख्य सड़क का सुधारीकरण और एनएचआईडीएस के माध्यम से विद्यालय के दोनों गेट के समीप सड़क किनारे साइन बोर्ड लगवाने के निर्देश दिए। विद्यालय के कूडा निस्तारण के संबध में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि पीपलकोटी नगर पंचायत के माध्यम से कार्यशाला आयोजित कर बच्चों को कूड़े का सोर्स सेग्रीगेशन की जानकारी दी जाए और सूखे कूड़े का नगर पंचायत के माध्यम से निस्तारित करें। बैठक में विद्यालय की अन्य समस्याओं

पर भी चर्चा करते हुए उनका समाधान किया गया। जिलाधिकारी ने विद्यालय परिसर कक्षा कक्षों, आर्ट रूम, भौतिक विज्ञान लैब, गणित, भाषा व कम्प्यूटर लैब और लाइब्रेरी सहित हॉस्टल में बच्चों के आवासीय कक्षों का निरीक्षण भी किया और विद्यालय की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए सुझाव लिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने मेधावी छात्रों को सम्मानित भी किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने समिति के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए विद्यालय की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि वर्तमान में विद्यालय में 193 छात्र व 133 छात्राएं सहित कुल 326 विद्यार्थी अध्ययनरत है। विगत वर्ष में कक्षा 10 और कक्षा 12 का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। उन्होंने मुख्य शिक्षा अधिकारी से जनपद के कक्षा 5वीं में पढ़ने वाले बच्चों को नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में शामिल कराने का अनुरोध के साथ विद्यालय की विभिन्न समस्या और मांग जिलाधिकारी के समक्ष रखी। बैठक में अभिवावकों ने भी अपने सुझाव दिए। प्रबंधन समिति की बैठक में सीएमओ डॉ0 राजकेश सिंह पांडेय, मुख्य शिक्षा अधिकारी धर्म सिंह, नवोदय विद्यालय के प्रधानाचार्य कुंदल सिंह दिगारी, उप प्रधानाचार्य महेश भारद्वाज, अभिभावक अतुल शाह आदि मौजूद थे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com